दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 187 | ग्वालियर मंगलवार 14 जुलाई 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

राजस्थान में पिक्चर अभी बाकी है

बीजेपी ने की फ्लोर टेस्ट की मांग पायलट सहित 20 कांग्रेस विधायक मीटिंग में शामिल नहीं हुए

नई दिल्ली। राजस्थान में विधायकों की परेड के बाद भी मामला खत्म नहीं हुआ। पिक्चर अभी बाकी हैं, भारतीय जनता पार्टी ने नया पासा फेंका है। सोमवार को कांग्रेस पार्टी ने दावा किया था कि गहलोत सरकार को अभी भी 109 विधायकों का समर्थन हासिल है। खबरों के अनुसार, सचिन पायलट सहित 20 कांग्रेस विधायक मीटिंग में शामिल नहीं हुए। इसके बाद, बीजेपी को कुछ उम्मीद दिखाई दे रही है। भाजपा पार्टी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से विधानसभा में बहुमत साबित करने की डिमांड की है। बीजपी आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने कहा,अशोक गहलोत को फौरन बहुमत साबित करने के लिए फ्लोर टेस्ट देना चाहिए। अगर वहां अपने विधायकों को रिजॉर्ट ले जा रहे हैं,तब साफ है कि उनके पास नंबर्स नहीं हैं और वह सिर्फ अटल सत्य को टालने की कोशिश कर रहे हैं। सचिन

पायलट के करीबी सूत्रों के हवाले से खबर हैं कि गहलोत सरकार के पास वहां संख्या-बल नहीं है, जिसका वहां दावा कर रहे हैं। सीएम का बैक गार्डन बहुमत साबित करने की जगह नहीं है, वहां विधानसभा में होता है। अगर उन्होंने जो दावा किया है, उतने विधायक उनके पास हैं,तब गिनती क्यों नहीं कराते, उन्हें गवर्नर के पास ले जाने के बजाय होटल क्यों ले जा रहे हैं÷ फिलहाल गहलोत के समर्थन वाले विधायक होटल में हैं। जबकि पायलट के करीबी गुड़गांव के एक होटल में ठहरे हैं। हालांकि गहलोत गुट के कुछ विधायकों की नजर राजभवन पर भी टिकी होगी जो विधानसभा में बहुमत परीक्षण की मांग मान ले तब खेल बदल सकता है। पायलट जितने ज?यादा विधायकों को तोड़ने में कामयाब रहें, बीजेपी के लिए उतना मुफीद है। राजस्थान की 200 सदस्यीय विधानसभा में अभी बीजेपी के पास 75 विधायक हैं। इनमें 72 बीजेपी और 3 सहयोगी दल आरएलपी से हैं। अब यदि पायलट के समर्थक विधायकों की संख्या अगर 19 मान ले और वहां इस्तीफे देते हैं,तब सदन में विधायकों की कुल संख्या 181 रह जाएगी। बीजेपी ने फ्लोर टेस?ट की मांग उस वक?त में उठाई है, जब सचिन पायलट के रुख में नरमी देखी जा रही है। प्रियंका गांधी ने गहलोत और पायलट से बात की है। इसके बाद पायलट ने कुछ शर्तें सामने रखी हैं। कांग्रेस की तरफ से जयपुर गए सुरजेवाला ने भी कहा कि कांग्रेस के दरवाजे पहले भी खुले थे, अब भी खुले हैं और आगे भी खुले रहने वाले है।

पायलट नहीं जाएंगे भाजपा में, मनाने में जुटे राहुल, प्रियंका

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर अपना जादू चलाने में सफल रहे तथा 107 विधायकों का समर्थन हांसिल करने में कामयाब रहे. उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की बगावत के बाद सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक में प्रस्ताव पारित करके बागी गुट पर कार्रवाई का ऐलान किया गया. लेकिन सूत्रों से जो खबर मिल रही है वह यह कि , राहुल गांधी और प्रियंका गाधी अभी भी पायलट को मनाने में जुटे हैं. यह खबर भी आयी है कि पायलट भाजपा में नहीं जा रहे हैं. पार्टी सूत्रों ने दावा किया कि कुल मिलाकर 107 विधायक इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए. विधायक दल की बैठक में पारिस्त प्रस्ताव में कहा गया है, 'कांग्रेस विधायक दल पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आस्था और भरोसा व्यक्त करता है. यह बैठक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में सर्वसम्मति से समर्थन व्यक्त करती है. 'इसके साथ ही इस प्रस्ताव में कांग्रेस पार्टी व राज्य में कांग्रेस सरकार को कमजोर करने वाले सभी अलोकतांत्रिक तत्वों की निंदा करते हुए कहा गया है कि अगर कोई पार्टी पदाधिकारी या विधायक इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए. बैठक के बाद विधायकों को बसों से दिल्ली रोड पर एक निजी होटल में ले जाया गया.

कोरोना के मरीज 9 लाख के पार, ठीक होने वालों की संख्या भी साढ़े पांच लाख से ऊपर

नई दिल्ली। सोमवार को देश में कोरोना संक्रमण के 26,913 नए केस मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 9,06,380 हो गई। ठीक होने वालों की संख्या 5,71,398 हो गई है जबकि 23,727 की मौत हो चुकी है। सोमवार को महाराष्ट्र में 6,497 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 2,60,924 हो गई। जिनमें से 10,482 की मौत हो चुकी है जबकि 1,44,507 ठीक हो चुके हैं। तमिलनाडु में 4,328 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 1,42,498 हो गई। जिनमें से 92,567 ठीक हो चुके हैं 2,032 की मौत हो गई है। दिल्ली में 1,246 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 1,13,740 हो गई। इनमें से 3,411 की मौत हो चुकी है जबकि 91,312 ठीक हो चुके हैं।गुजरात में 902 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 42,808 हो गई। जिनमें से 2,056 की मौत हो चुकी है जबकि 29,806 ठीक हो चुके हैं। कर्नाटक में 2,738 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 41,581 हो गई। जिनमें से 16,249 ठीक हो चुके हैं। 759 की मौत हो चुकी है। उत्तरप्रदेश में 1,654 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 38,130 हो गई। जिनमें से 24,203 ठीक हो चुके हैं 955 की मौत हो गई है। तेलंगाना में 1,550 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 36,231 हो गई। जिनमें से 23,679 ठीक हो चुके हैं 365 की मौत हो गई है। पश्चिम बंगाल में 1,435 नए संक्रमित मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 31,448 हो गई। जिनमें से 19,213 ठीक हो चुके हैं। 956 की मौत हो गई है।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई का ऐलान-

भारत में करेंगे 10 बिलियन डॉलर का निवेश, पीएम मोदी से हुई बात

नई दिल्ली। गूगल ने भारत में 10 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है. गूगल द्वारा यह घोषणा ऐसे वक्त में कि गई है जब महामारी के बीच देश आर्थिक संकट से निकलने की राहें तलाश रहा है. गूगल ने निवेश की घोषणा के साथ ही कहा है की ये निवेश भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करने में मदद करेगा. इससे पहले आज ही पीएम नरेंद्र मोदी और सुंदर पिचाई के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई. पीएम मोदी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि हमने कई विषयों पर बात की. हमने भारत के किसानों, युवाओं और उद्यमियों के जीवन को बदलने के लिए टेक्नोलॉजी की पावर के इस्तेमाल पर चर्चा की है. पीएम मोदी ने ये भी कहा कि मैने सुंदर पिचाई से कोरोनावायरस के समय में उभर रही नई कार्य संस्कृति पर भी बात की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गूगल कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और भारतीय मूल के सुंदर पिचाई से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की. प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर इसकी जानकारी देते हुए कहा आज सोमवार 13 जुलाई की सुबह सुंदर पिचाई के साथ एक अत्यंत सफल बातचीत हुई. हमने कई विषयों पर बात की खासकर भारत के किसानों, युवाओं और उद्यमियों के जीवन को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति के लाभ पर चर्चा हुई.

अमिताभ, अभिषेक बच्चन की सेहत में हो रहा सुधार

मुंबई। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, दोनों में कोरोना के और लक्षण नहीं देखे गए हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, अमिताभ और अभिषेक की सेहत में सुधार हो रहा है। दूसरी तरफ, बच्चन फैमिली के चार सदस्यों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनके स्टाफ मेंबर्स का भी कोविड टेस्ट हुआ। घर पर मौजूद सभी स्टाफ कोरोना नि ?गेटिव पाए गए हैं। कुल 54 लोग बच्चन फैमिली के संपर्क में आए थे। रविवार को 28 लोगों को होम क्वारनटीन किया गया, जबकि 26 लोग हाई रिस्क पर थे। इन सभी का कोरोना टेस्ट हुआ था।

सोमवार को सभी 26 लोग

अनंतनाग में दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में सोमवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया गया है. सुरक्षाबलों को अनंतनाग के श्रीगुफवाड़ा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिली थी, उसी पर कार्यवाही के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई आतंकवादी जिस स्थान पर छिपे हुए थे, वहां सुरक्षा बलों के पहुंचते ही भारी गोलीबारी के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई. इस दौरान दो आतंकियों को मार गिराया गया है. यह अभियान पुलिस और सेना ने संयुक्त रूप से चलाया था. इस ऑपरेशन को सीआरपीएफ की क्विक एक्शन टीम के साथ ही पुलिस और सेना की 3 राष्ट्रीय राइफल्स की संयुक्त टीम अंजाम दे रही है.

CBSE 12वीं का रिजल्ट : लड़कियां लड़कों से आगे रहीं

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (CBSE) ने सोमवार दोपहर 12वीं बोर्ड के रिजल्ट जारी कर दिए हैं। 15 फरवरी से 30 मार्च के बीच हुई कोरोना प्रभावित परीक्षा में कुल 11 लाख 92 हजार 961 छात्र बैठे थे और उनमें से 10 लाख 59 हजार 80 पास हुए हैं। टोटल पास पर्सेंटेज 88.78त्न रहा है जो 2019 के मुकाबले 5.38त्न ज्यादा है। इस बार के रिजल्ट में भी लड़कियां लड़कों से 5.96प्रतिशत से आगे रहीं। लड़कियों का पास पर्सेंटेज 92.15 जबकि लड़कों का पर्सेंटेज 86.19त्न रहा। 12वीं के नतीजों में लगातार छठी बार लड़कियों ने लड़कों से बाजी मारी है। बोर्ड की परीक्षा में 2014 में आखिरी बार सार्थक अग्रवाल 99.6 प्रतिशत के साथ टॉपर बने थे। इसके बाद से लगातार छह साल से लड़कियां टॉपर हैं। पिछले साल टॉपर हंसिका शुक्ला का टोटल में से सिर्फ एक नंबर कटा था।

सुप्रीम कोर्ट ने शाही परिवार को सौंपा श्री पद्मनाभ मंदिर का खजाना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केरल के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रशासन में त्रावणकोर शाही परिवार के अधिकार को बरकरार रखा। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के मामलों के प्रबंधन वाली प्रशासनिक समिति की अध्यक्षता तिरुवनंतपुरम के जिला न्यायाधीश करेंगे। कोर्ट ने केरल उच्च न्यायालय के 31 जनवरी 2011 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें राज्य सरकार से श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर का नियंत्रण लेने के लिए न्यास गठित करने को कहा गया था।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

एनकाउंटर केसः सुप्रीम कोर्ट में आज को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। कानपुर शूटआउट के मास्टरमाइंड विकास दुबे के एनकाउंटर की सीबीआई या एसआईटी जांच को लेकर दायर जनहित याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) एसए बोवडे की बेंच मामले सुनवाई करेगी। बेंच में जस्टिस आर सुभाष रेड्डी और जस्टिस ए बोपन्ना भी शामिल रहने वाले है। सुप्रीम कोर्ट में मुंबई के वकील घनश्याम उपाध्याय और वकील अनूप अवस्थी ने जनहित याचिका दायर की है। याचिका में यूपी पुलिस की भूमिका की जांच की मांग की गई है।हालांकि याचिका मुठभेड़ से पहले देर रात दायर की गई थी, जिसमें विकास दुबे की भी एनकाउंटर होने की आशंका जाहिर की गई थी। मामले में गिरफ्तार उत्तरप्रदेश पुलिस के सब इंस्पेक्टर केके शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उन्होंने जान को खतरा होने की संभावना जाहिर की है। केके शर्मा ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कानून व्यवस्था संबंधी बैठक ली

बेटियों के विरुद्ध अपराध करने वालों को छोडूंगा नहीं

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बेटियों के विरुद्ध अपराध करने वाले पूरी मानवता के दुश्मन है, मैं उन्हें छोडूंगा नहीं। अपराधों में संलग्न सफेदपोशो को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। भोपाल में नाबालिग बेटियों के साथ अपराध करने वाला जघन्य अपराधी है, जहां कहीं भी हो उसे ढूंढ कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। प्रदेश में अभियान चलाकर आदतन अपराधियों, माफियाओं, अतिक्रमणकारियों, अवैध शराब का कारोबार करने वालों और चिटफंड धोखेबाजों के विरुद्ध कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक श्री विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव गृह श्री एस.एन. मिश्रा, एडीजी इंटेलिजेंस सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा एवं राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया के प्रथम मेहगांव नगर आगमन पर किया भव्य स्वागत

भिंड,मेहगांव। भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित के नेतृत्व में सेकड़ो नमो संघ कार्यकर्ताओं ने भिंडी ऋषि की पावन धरा पर मेहगांव प्रथम नगर आगमन पर मध्यप्रदेश सरकार के यशस्वी ग्रह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी और नवनीत राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया का भव्य स्वागत किया गया, इस अवसर पर नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित ओर अन्य पदाधिकारियों के द्वारा गृहमंत्री महोदय श्री नरोत्तम मिश्रा जी को एवम राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया को श्री राधाकृष्ण का पटका ओर पुष्प माला पहनाकर तथा श्री बाँके बिहारी का चित्र भेंट कर भव्य स्वागत किया गया,, ओर मंत्री जी के प्रथम नगर आगमन के अवसर पर मेहगांव मंडी प्रांगण में आयोजित विजय संकल्प सभा मे नमो संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा नवनीत राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया एवम मध्यप्रदेश सरकार के गृहमंत्री महोदय को शॉल श्रीफल भेंट किया गया,,, इस अवसर पर नमो संघ के प्रदेस अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेसा से गंदी राजनीति करती रही है, ओर जिस प्रकार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जय श्री राम बघेल ओर अन्य कांग्रेसी नेताओं द्वारा भाजपा के मंत्रियों के स्वागत में कार्यकर्ताओं

द्वारा लगाए गए होडिंग पोस्टर को लेकर जो व्यान दिए जा रहे हैं वो बहुत ही निंदनीय ओर घृणित है, ओपीएस भदौरिया जी एक ईमानदार और कर्त्तव्य परायण इंसान हैं और मेहगांव की आम जनता के दिलों पर राज करते हैं,, उनकी बढ़ती लोकप्रियता से कांग्रेसी नेता बोखलाए हुए हैं, और आगामी उप चुनाव में उनकी छवि को धूमिल करने का कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओर अन्य कांग्रेसी नेता कुत्सित प्रयास कर रहे हैं,, मुकेश दीक्षित ने आगे कहा कि जिस प्रकार कांग्रेसी नेताओं द्वारा होर्डिंग्स वेनर को लेकर रेत माफिया से जोड़ने का जो आरोप लगाया जा रहा है वो वे वुनियाद है,उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई कार्यकर्ता किसी नेता की लोकप्रियता से जुड़ा होकर आस्था रखता है और नेता के स्वागत में होर्डिंग पोस्टर लगाता है तो इसमें क्या बुराई है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कमलनाथ सरकार में जिले में अवैध खनन ओर रेत माफियाओं ने सारी सीमाएं ही लांघ दी थी,ओर उस समय कांग्रेस के कई बड़े दिग्गज नेता अवैध खनन को न रोक पाने को लेकर आम जनता से माफी भी मांग रहे थे,इससे सिद्ध हो गया था कि कांग्रेस के बड़े नेताओं के इसारे पर दबंग रेत माफिया अवैध रेत उत्खनन में लिप्त हैं,मुकेश दीक्षित ने आगे कहा कि आगामी उपचुनाव है इसको लेकर कांग्रेसी नेता झूठे ओर वेवूनियाद आरोप लगा कर भाजपा के नेताओं की छवि धूमिल करने का काम कर रहे हैं, लेकिन वो अपने इस गलत प्रयास में सफल नहीं हो पाएंगे ,जनता अब सब जान चुकी है, ओर समझ गयी है कि जिस प्रकार देश मे मोदी सरकार और प्रदेश में शिवराज सरकार जनकल्याण के लिए कार्य कर रही है, ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज हमारा देश अखंड भारत निर्माण की ओर आगे बढ़ रहा है और पूरे विश्व में मोदी जी के नेतृत्व में भारत का परचम लहरा रहा है,आज देश मे मोदी सरकार ऐतिहासिक फैसले ले रही है, ओर देश में जातिवाद अलगाववाद,भ्रस्टाचार ओर अपराध तथा अपराधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है,ओर वंही देश मे जब कांग्रेस सरकार हुआ करती थी अगर उस समय की बात की जाए,तो सबको पता है कि डकैती समस्या चरम सीमा पर थी,ओर कुख्यात अपराधी डकैतों के सामने सरकार को झुकना पड़ता था, ओर उनकी मांगें भी माननी पड़ती थी, लेकिन जब से देश में ओर मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार आयी तब से डकैती समस्या जड़ से ही समाप्त हो गयी और अपराध एवं अपराधियों पर लगातार अंकुश लगाया जा रहा है,, मुकेश दीक्षित ने आगे कहा मोदी जी व्यक्ति नही विचार है,ओर राष्ट्र की प्रगति का आधार है,,इस अवसर पर नमो संघ के प्रदेश संगठन मंत्री रामेन्द्र शर्मा,अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेस संयोजक इमरान अली खान,विशाल विसेन ,पूर्व विधायक रसाल सिंह जी,संतोष बोहरे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मिहोना,सुनील बाबू निराला,मेहगांवपूर्व विधायक राकेश शुक्ला,भाजपा जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर,मायाराम शर्मा एड,पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा संजीव कांकर,सिंधिया समर्थक रमेश दुवे, रोमेश महंत भाजपा नेता,रक्षपाल सिंह राजावत,अशोक भारद्वाज, देवेंद्र नरवरिया,नमो संघ से अनिल दुवे,राम चतुर्वेदी,हिरदेश सोनी उपाध्यक्ष नमो संघ, मधुर कटारे,फरमान हुसैन,भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संतोष भदोरिया,राजेश शर्मा,बीरेंद्र मुडोतिया,सहित हजारों भाजपा कार्यकर्ता ओर नमो संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे,,,,,,

जनता की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं - धर्मेन्द्र कुशवाह

दतिया। जिस तरह दतिया में कोरोना महामारी अपने पैर पसारते जा रही है। उसी प्रकार पुलिस प्रशासन शासन की गाइड लाइन तथा दिशा निर्देश के पालन हेतू सख्त है। उनाव कस्बे में थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुशवाह द्वारा पुलिस बल के साथ उनाव सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पैदल मार्च कर भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान थाना प्रभारी कुशवाह ने आमजन से प्रशासन द्वारा दिये जा रहे निर्देश के पालन तथा समय पर बाजार बंद करने की अपील की तथा मास्क एव सोशल डिस्टेन्स रखने की बात कही। कोरोना महामारी को लेकर बचाव के हर संभव प्रयास किये जा रहै है।

थाना प्रभारी ने उनाव सहित ग्रामीण क्षेत्रों में किया पैदल मार्च

लोगो को जागरूक भी किया जा रहा है। जिसमे पुलिस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह कुशवाह उनाव बालाजी द्वारा सोमवार को क्षेत्र में पैदल मार्च कर लोगो को कोरोना से बचाव हेतु जागरूक अभियान चलाया गया। इस बीच थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ ग्राम कामद, नरगड़ एवं उनाव, का पैदल भ्रमण किया गया एवं लोगो से सोसल डिस्टेंस व मास्क लगाने की अपील की। साथ ही लोगो से बिना किसी काम के घर से ना निकले के निर्देश भी दिए। यदि कोई भी नियम नहीं मानेगा तो उसके प्रति क़ानूनी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। थाना प्रभारी की इस प्रकार की कार्यशैली की जनता द्वारा सराहना की गयी है। इस दौरान प्रभारी धर्मेन्द्र कुशवाह सहित थाना पुलिस वल मौजूद रहा।

मास्क न पहनने वाले व्यक्तियों के लिए होगा 'रोको-टोको' कार्यक्रम

मुरैना। सरकार अब मास्क न पहनने वाले व्यक्तियों के लिए 'रोको -टोको' कार्यक्रम चलाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क का प्रयोग करना अनिवार्य है। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क न पहनने वाले व्यक्तियों को चयनित स्वयंसेवी संस्थाए मास्क उपलब्ध कराँएगी और संबंधित से 20 रूपये प्रति मास्क की दर से राशि वसूल करेगी। कलेक्टर इस कार्य के लिए जिले में बेहतर कार्य कर रहीं स्वयंसेवी संस्थानों का चयन करेंगे। चयन करते समय संस्थान में उपलब्ध व्यक्तियों की संख्या, संस्थान की विश्वसनीयता और कार्यक्षमता को ध्यान में रखा जायेगा।

बॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर अजय सिंह राजपूत जल्द ला रहे है गैंगस्टर विकास दुबे पर फिल्म।

आपको बता दें कि बॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर अजय सिंह राजपूत जल्द उत्तर प्रदेश कानपुर के गैंगस्टर विकास दुबे पर फिल्म बनाने वाले हैं जिस को लेकर तैयारियां भी शुरू हो गई है इस फिल्म में सुशांत चौधरी विकास दुबे का लीड रोल निभाएंगे। गैंगस्टर विकास दुबे पर बन रही फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं प्रोड्यूसर अजय सिंह राजपूत। उन्होंने मीडिया को बताया कि गैंगस्टर विकास दुबे पर बन रही मूवी का जल्द ही शुभारंभ करेंगे एक्टर सुशांत चौधरी उत्तर प्रदेश के ही रहने वाले हैं। जिस पर सुशांत चौधरी ने कहा कि वह अच्छे से अच्छा किरदार गैंगस्टर विकास दुबे की जीवन कहानी पर निभाएंगे। इस दौरान अजय सिंह राजपूत ने मीडिया को बताया कि गैंगस्टर विकास दुबे ने 1995 से जून की दुनिया में कदम रख दिया था जिसको लेकर 2002 में उन्होंने जुर्म की दुनिया में अच्छा नाम कमा लिया था जिसमें वह स्मगलिंग लूट मर्डर अवैध वसूली जबरन कब्जा इन सब कामों में माहिर हो गया था। जिसको लेकर फिल्म की आधी से ज्यादा स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है जल्द ही पूरी स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद फिल्म की शूटिंग का शुभारंभ किया जाएगा।

आजादी से अब विकास की योजना का लाभ नहीं मिला

पाली=विश्वव्यापी महामारी के चलते संपूर्ण मानव जीवन को संकट की स्थिति में डाल कर रखा कोरोना वायरस ने संपूर्ण गरीब वर्ग के परिवार का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया कोरोना वायरस की मार से गरीब का परिवार वर्षों तक याद रहेगा जो आज इस परिवार की स्थिति सबसे खराब नजर आ रही है इस परिवार के मुख्य सदस्य ने बताया कि विश्वव्यापी महामारी के समय से अब तक हमारे परिवार का नियमित रूप से भोजन भी नहीं मिला सुबह शाम का हमें इंतजार लेकिन पाली उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत सांपा=के कालू जी की ढाणी मैं सभी परिवार के लोग आज इतनी गरीबी से अपना जीवन बिताते हैं जिस प्रकार जिले में और कहीं नहीं मिलेंगे इस ढाणी में सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजना का लाभ नहीं और आज यह ढाणी सबसे गरीब नजर आ रही इस ढाणी के सभी ग्रामीणों ने बताया कि नियमित रूप से जल के संकट तो है लेकिन हमारा मुख्य व्यवसाय नहीं होने के कारण विश्वव्यापी महामारी के चलते हमारा संपूर्ण रोजगार गया आज इस कालू जी की ढाणी की स्थिति सबसे खराब नजर आ रही एक परिवार ने बताया कि देश की आजादी से अब तक कालू जी की ढाणी में सरकार द्वारा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला और यह ढाणी 3 ग्राम पंचायत के सेंटर में बसी हुई है लेकिन इस ढाणी में बारिश के समय हमारे लिए बाहर निकलना कठिन कार्य इस परिवार ने सबसे मुख्य बाद में बताया कि वोट बैंक की राजनीति आज विकास की गति को आगे नहीं बढ़ाने दे रही है जिस समय चुनावी द्वारा में हमारे इस ढाणी में सभी जनप्रतिनिधि दिन-रात एक करके हमारा विकास तुरंत प्रभाव से किया जाता लेकिन वह विकास मात्र चुनावी परिणाम तक लेकिन उसके बाद कोई भी जनप्रतिनिधि इस ढाणी में अभी तक नहीं आया संपूर्ण परिवार के सदस्यों ने आज जन समस्या के बारे मैं संपूर्ण परिवार के सदस्यों की नाराजगी उन्होंने बताया कि अभी तक जल संकट की स्थिति सबसे नाजुक लेकिन विश्वव्यापी महामारी के चलते इस समय हमारी स्थिति सबसे खराब दौर से गुजर रही

अरुणिमा के बढ़ते कदम

पश्चिम बंगाल दुर्गापुर =- डीएवी मॉडल स्कूल दुर्गापुर की छात्रा को मिले अच्छे नंबर कुल 500 में 475 नंबर मिले हैं अरुणिमा के पिता डीआईजी विनय कुमार सिंह सीआरपीएफ दुर्गापुर में कार्यरत है माता डॉक्टर आशा सिंह वह भी प्राचार्य है सीबीएसई स्कूल की स्वभाविक रूप से पूरा परिवार खुशी में है बच्चे के अच्छे नंबरों से पास होने पर माता-पिता ने बच्ची को स्नेह एवं आशीर्वाद दिए डीआईजी विनय कुमार सिंह के मुताबिक बच्ची इंजीनियर बनना चाहती है विनय कुमार सिंह का कहना है कि बच्चे जिस विषय को लेकर पढ़ना चाहते हैं उनके मुताबिक उन्हें आजादी मिलनी चाहिए ताकि वह भविष्य में अच्छा कर सके क्या लेकर पढ़ना है इसका निर्णय बच्चों पर ही छोड़ना ज्यादा उचित होता है ऐसा हमारा मानना है अरुणिमा को साइंस में 97त्न मार्क्स मिले हैं अब वह आगे की तैयारी में जुट गई है ..

दबोह का कोरोना पॉजिटिव निकलते ही हुई हलचल

मुख्य नप अधिकारी ने दबोह वार्ड नम्बर 04 को किया शील्ड

दबोह (अर्पित गुप्ता)। कोरोना महामारी जिस तरह से अब जिले व सम्भाग में फैल रही है उससे जनता में दहशत पैदा हो गई है।क्योंकि दबोह नगर में कोरोना पॉजिटिव निकलते ही लोगो में हलचल पैदा हो गई है।विस्तार से जानकारी के लिए यहां बता दें कि दबोह वार्ड नम्बर 04 निवासी की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है।जिसके बाद नगरीय प्रशासन भी सख्त हो गया और जनता परेशान भी।दबोह नगर के वार्ड नम्बर 04 में कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने तुरंत मौके पर पहुंचकर वार्ड नम्बर 04 गली को पूरी तरह शील्ड किया और साथ ही पूरे मोहल्ले को सेनेटाइज भी किया।इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने पॉजिटीव पाए गए व्यक्ति के परिवार से घर मे ही रहने की बात कही तो वहीं वार्डवासियों से भी अपने अपने घरों के अंदर ही रहने के लिए कहा।इस मौके पर उनके साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनीता झा,कोटवार वीरेंद्र परिहार आदि लोग मौजूद रहे। रविवार की शाम दबोह नगर के व्यक्ति की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आते ही दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मेडीकल ऑफिसर डॉ.निशान्त यादव ने बताया कि पॉजिटीव आये व्यक्ति के घर के सदस्यों की सेम्पलिंग की जाएगी।तो वहीं उन्होने कहा कि कुछ दिन के अंदर दबोह नम्बर 04 में निकले कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के सम्पर्क में आये लोग भी अपना अपना सेम्पलिंग दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जरूर कराएं।उन्होने दबोह नगर की जनता से अपील करते हुए कहा कि कृपया सभी लोग घरो में ही रहे और केवल जरूरत पड़ने पर ही घरो से बाहर निकलें व मास्क व सेनेटाइजर का उपयोग अवश्य करें।

लक्ष्य एक दिशा संस्था द्वारा जरुरतमंदो दी जा रही हर संभव मदद

पटना की संस्था लक्ष्य एक दिशा =अंधकार से प्रकाश की ओर । के द्वारा इस कोरोना कोविद 19 के महामारी में अध्यक्ष अमोद कुमार लाभ एवं अमित कुमार लाभ के नेतृत्व में लगातार पटना के गयाघाट, इंद्रपुरी,टेकरी रोड,पत्थर की मस्जिद, शिवपुरी,कार्बन फैक्ट्री,खाजेकलां, दारोगा राय पथ के स्लम इलाकों में गरीबों × जरुरतमंदो के बीच पका हुआ भोजन, राशन सामग्री, मास्क,साबुन,सैनिटाइजर, सेनेटरी पैड आदि की वितरण की जा रही हैं।अमोद कुमार लाभ ने बताया कि ये कार्य आगे भी जरूरत के हिसाब से चलती रहेंगी।संस्था मुख्यरूप से समाज के छोटे एवं गरीब बच्चो के बेसिक शिक्षा देने की सामजिक कार्य करेगी। पटना के ही शास्त्रीनगर थाना के राजवंशी नगर एवं सी पी ठाकुर रोड में सचिव अमित कुमार लाभ एवम अध्यक्ष अमोद लाभ के मार्गदर्शन में लगातार 2 दिन 2 टीम बनकर कर 2 अपार्टमेंट के 14 फ्लैट एवं स्लम के 105 घरों में सैनिटाइजर से की गई हैं,ओर उनके बीच मास्क की वितरण भी की गई हैं।।इस दौरान सोशल डिस्टेसिंग का भी ख्याल रखा गया। संस्था के इस सामाजिक कार्य को गायिका प्रिया मालिक,अभिनेता विकास श्रीवास्तव, अभिनेता संजय सिंह,लेखक × अभिनेता शरद त्रिपाठी ने अपनी शुभकामनाएं दी हैं

जल संकट की भारी समस्या से ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

पाली=जल संकट की भारी समस्या से जिले के पाली उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत भांगेसर के सहायक ग्राम निंबाड़ा में आज जल की भीषण संकट की स्थिति देखी गई जिसमें जल समस्या को लेकर स्थानीय ग्रामीणों को प्रतिदिन बार इस समस्या का सामना करना पड़ रहा नियमित रूप से जल की आपूर्ति न होने के कारण प्रतिदिन ग्रामीणों के आपसी झगड़े का माहौल ही बना रहता और ग्रामीणों को जलापूर्ति के लिए लंबे समय तक का इंतजार और लाइन लगाकर अपने पाने के लिए प्लास्टिक के केन नालो पर लगा कर लंबे समय तक पानी का इंतजार आज ग्रामीणों ने बताया कि इस ग्राम में जल की समस्या का समाधान आज दिन तक नहीं हुआ ग्रामीणों की महिलाओं द्वारा बताया गया कि मानव जीवन के लिए जल कठिन नहीं लेकिन बेजुबान पशुओं की ओर लेकर सरकार इस ग्राम में बेजुबान पशुओं की स्थिति जल के कारण बहुत ही नाजुक लेकिन नियमित रूप से पानी ना आने के कारण बेजुबान पशु और इंसान अभी एक ही समान जल की आपूर्ति पर्याप्त रूप से नहीं और समय के अनुसार कम आपूर्ति के कारण मानव जीवन के लिए पर्याप्त रूप से जल नहीं मिल रहा लेकिन जल संकट की स्थिति इतनी खराब की कभी-कभी जल के बारे में आपसी झगड़े का माहौल बना रहा था लेकिन कई बार सभी अधिकारियों को जल समस्या के बारे में बताएं लेकिन आज दिन तक इस ग्राम में जल की समस्या का समाधान नहीं हुआ आज संपूर्ण महिलाओं ने बताया कि इस समय नारी शक्ति जल संकट को लेकर काफी चिंतित है लेकिन सरकार जल संकट के बारे में नारी शक्ति को मुक्त करें।

मध्यप्रदेश साहूकारी संशोधन विधेयक एवं अनुसूचित जनजाति ऋण मुक्ति विधेयक को कैबिनेट की स्वीकृति

विभाग वितरण के पश्चात कैबिनेट की पहली बैठक में गरीबों के हित में लिया गया बड़ा निर्णय

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों के बीच विभाग वितरण के पश्चात सम्पन्न पहली कैबिनेट बैठक में गरीबों के हित में बड़े फैसले लिए गए। म.प्र. साहूकारी संशोधन विधेयक एवं अनुसूचित जनजाति ऋण मुक्ति विधेयक 2020 को कैबिनेट की स्वीकृति दे दी गई। अब आगे की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आदिवासियों को साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति ऋण मुक्ति विधेयक लाया जा रहा है, जिसमें अनुसूचित क्षेत्रों में निवासरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के सभी व्यक्तियों के 15 अगस्त 2020 तक के सभी ऋण ब्याज सहित माफ किए जाने का प्रावधान किया जा रहा है। साथ ही अन्य वर्गों को भी साहूकारों के चंगुल से छुड़ाने के लिए मध्यप्रदेश साहूकार (संशोधन विधेयक 2020) लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में कोरोना की चुनौती है परन्तु साथ ही यह जनता के सेवा का अवसर भी है। हम पूरी टीम भावना के साथ मिलकर जनता की

बेहतर से बेहतर सेवा करें। प्रदेश के विकास एवं जनता के कल्याण केलिए हम सब तत्पर है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज मंत्रालय में मंत्रीगणों के बीच विभागों वितरण के बाद पहली कैबिनेट बैठक को संबोधित किया। बैठक में राज्य मंत्रीमंडल के सभी सदस्य तथा अधिकारीगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर सोमवार एवं मंगलवार को सभी मंत्रीगणों को भोपाल में ही रहना है। सोमवार को वे विभागीय समीक्षा करें तथा उस दिन विधायकगणों से मिलने का एक निश्चित समय निर्धारित करें। मंगलवार को 11 बजे से कैबिनेट की बैठक होगी। (अपरिहार्य कारणों को छोड़कर) मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में विभागीय संक्षेपिका का प्रस्तुतीकरण मंत्रीगण स्वयं करें। इस कार्य में विभागीय ए.सी.एस. एवं पी.एस. उनकी मदद करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्तमान में मंत्रिमंडल में 34 सदस्य हैं, अत~ कुछ मंत्रीगणों को 01 तथा कुछ को 02 जिले प्रभार के दिए जाएंगे। प्रभारी मंत्रीगण अपने प्रभार के जिले में माह में कम से कम 02 दिन दौरा करें। साथ ही वहां रात्रि विश्राम भी करें। दौरे के दौरान समीक्षा बैठक, योजनाओं का क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों की स्थिति देखें तथा जनता के साथ संवाद करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमें हमारे यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए निरंतर कार्य करना है। मंत्रीगण अपने विभागीय अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, प्रबुद्धजनों की सहायता से इसके लिए रोडमैप तैयार कर लें। इस संबंध में जनता से प्राप्त सुझावों का भी अध्ययन कर लें। आगामी 15 अगस्त को आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप जनता के समक्ष रखा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शासकीय कार्यों की मॉनीटरिंग के लिए सी.एम. मॉनिट सिस्टम बनाया गया है, जिसके माध्यम से सभी विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की सतत मॉनीटरिंग की जाएगी। मंत्रीगण अपनी विभागीय योजनाओं के कार्यों के लक्ष्य, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, आदि की जानकारी इस पर डालें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में डोर-टू-डोर सर्वे के माध्यम से एक-एक कोरोना मरीज की पहचान कर कोरोना को पूरी तरह समाप्त करने के लिए %किल कोरोना% अभियान चलाया जा रहा है। इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। एक जुलाई को इस अभियान के शुरू होने से आज तक की अवधि में प्रदेश की कोरोना पोजिटिविटी रेट 3.78 से घटकर 3.58 रह गई है वहीं डैथ रेट 4.19 प्रतिशत से घटकर 3.64 प्रतिशत रह गई है। अभियान के अंतर्गत 14500 टैस्ट प्रतिदिन तक पहुंच गए हैं। अभी प्रदेश में 65 प्रतिशत सर्वे कार्य पूर्ण हो गया है, शेष सर्वे 2 से 3 दिन में पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में पिछली सरकार के समय की 26 हजार 218 करोड़ की देनदारियां है तथा कोरोना संकट के चलते राजस्व में काफी कमी आयी है। परन्तु प्रदेश के विकास एवं जनता के कल्याण में कोई कमी नहीं आने देंगे।

मंत्रिमंडल के सदस्यों के मध्य विभागों का आवंटन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के बीच विभागों का बटवारा कर दिया है।

(1) शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, सामान्य प्रशासन, जनसंपर्क, नर्मदा घाटी विकास, विमानन एवं ऐसे अन्य समस्त विभाग जो किसी अन्य मंत्री को न सौंपे गये हो।

(2) डॉ. नरोत्तम मिश्रा, मंत्री गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि

(3) गोपाल भार्गव, मंत्री-लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग

(4) तुलसीराम सिलावट,मंत्री -जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास

(5) कुंवर विजय शाह, मंत्री-वन

(6) जगदीश देवड़ा, मंत्री-वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी

(7) बिसाहूलाल सिंह,मंत्री -खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण

(8) श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, मंत्री- खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार

(9) भूपेन्द्र सिंह, मंत्री -नगरीय विकास एवं आवास

(10) कुमारी मीना सिंह, मंत्री -आदिम जाति कल्याण, अनुसूचित जाति कल्याण

(11) कमल पटेल, मंत्री- किसान कल्याण तथा कृषि विकास

12) ऐदल सिंह कंषाना, मंत्री- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी

(13) गोविंद सिंह राजपूत, मंत्री- राजस्व, परिवहन

(14) बृजेन्द्र प्रताप सिंह, मंत्री- खनिज साधन, श्रम

(15) विश्वास सारंग, मंत्री- चिकित्सा शिक्षा, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास

(16) श्रीमती इमरती देवी, मंत्री- महिला एवं बाल विकास

(17) डॉ. प्रभुराम चौधरी, मंत्री- लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

(18) महेन्द्र सिंह सिसोदिया, मंत्री- पंचायत एवं ग्रामीण विकास

(19) प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री- ऊर्जा

(20) प्रेम सिंह पटेल, मंत्री- पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजन कल्याण

(21) ओमप्रकाश सकलेचा, मंत्री- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी

(22) सुश्री उषा ठाकुर, मंत्री- पर्यटन, संस्कृति, अध्यात्म

(23) अरविंद सिं?ह भदौरिया, मंत्री- सहकारिता, लोक सेवा प्रबंधन

(24) डॉ. मोहन यादव, मंत्री- उच्च शिक्षा

(25) हरदीप सिंह डंग, मंत्री-नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पर्यावरण

(26) राजवर्धन सिंह दत्तीगांव,मंत्री- औद्योगिकी नीति एवं निवेश प्रोत्साहन

(27) भारत सिंह कुशवाह, राज्य मंत्री- उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण (स्वतंत्र प्रभार), नर्मदा घाटी विकास

(28) इंदर सिंह परमार, राज्य मंत्री- स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार), सामान्य प्रशासन

(29) रामखेलावन पटेल, राज्य मंत्री- पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), विमुक्त घुम्मकड़ एवं अर्द्धघुम्मकड़ जनजाति कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), पंचायत एवं ग्रामीण विकास

(30) राम किशोर कांवरे, राज्य मंत्री -आयुष (स्वतंत्र प्रभार), जल संसाधन

(31) बृजेन्द्र सिंह यादव, राज्य मंत्री- लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी

(32) गिर्राज डण्डौतिया, राज्य मंत्री- किसान कल्याण तथा कृषि विकास

(33) सुरेश धाकड़, राज्य मंत्री- लोक निर्माण विभाग

(34) ओ.पी.एस. भदौरिया, राज्य मंत्री- नगरीय विकास एवं आवास

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह ने सोमवार को मंत्रालय में पूजा-अर्चना कर पदभार ग्रहण किया। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। श्री सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के घर में भी बिजली का बल्ब जलना चाहिये। ऊर्जा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को दी गयी राहत का पात्र उपभोक्ताओं को लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे, सचिव श्री आकाश त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लोक निर्माण मंत्री भार्गव ने प्रभार ग्रहण किया

भोपाल। लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने केबिनेट मंत्री के रूप में मंत्रालय में प्रभार ग्रहण किया। मंत्री श्री भार्गव ने विभागीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक में विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के विषय में भी चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव

लोक निर्माण विभाग श्री नीरज मण्डलोई, सड़क विकास निगम के एम.डी. श्री श्रीमन शुक्ल तथा प्रमुख अभियंता लोक निर्माण श्री अखिलेश अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को दी गयी राहत का पात्र उपभोक्ताओं को लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे, सचिव श्री आकाश त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सोम ग्रुप के सीईओ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

भोपाल। सोम ग्रुप के अवैध तौर से सेनेटाइजर सप्लाई मामले में जीएसटी चोरी का आंकड़ा 35 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच डायरेक्टर जनरल जीएसटी इंटेलीजेंस ने ग्रुप के मालिक जगदीश अरोरा के चचेरे भाई जीडी अरोरा को गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश कर 24 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मामले में अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दरअसल, देश में लॉकडाउन लागू होते ही सेनिटाइजर की भारी मांग को देखते हुए सोम ग्रुप और उसके सहयोगियों ने इसका फायदा उठाना शुरू कर दिया था।

हायर सेकेण्डरी की विशेष परीक्षा से वंचित छात्रों को पुनः एक अवसर

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी एवं हायर सेकेण्डरी दृष्टिहीन, मूक-बधिर (दिव्यांग) की वर्ष 2020 की 9 से 16 जून तक आयोजित विशेष परीक्षा से वंचित छात्र 14 से 20 जुलाई तक एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि कोराना संक्रमण के कारण कई छात्र विशेष परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे। कोरोना वायरस से संक्रमित छात्र जो उपचार के बाद नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद क्वारेंटाइन अवधि में थे, ऐसे छात्र जो अपने किसी परिजन के कोरोना पॉजीटिव होने के कारण होम क्वारेंटाइन या संस्थागत क्वारेंटाइन थे, ऐसे दिव्यांग छात्र जो दृष्टिहीन, मूक-बधिर होने के कारण स्वास्थ्य सुरक्षा कारणों से विशेष परीक्षा नहीं दे पाए, ऐसे सभी छात्र आवेदन कर सकेंगे। उपर्युक्त कारणों से विशेष परीक्षा से वंचित छात्रों को आवेदन के साथ कारण सहित संबंधित दस्तावेज भी अपलोड करना अनिवार्य होगा। कोरोना पॉजीटिव छात्र को डिस्चार्ज प्रमाण-पत्र अथवा सिविल सर्जन अथवा मुख्य चिकित्सा अधिकारी अथवा खण्ड चिकित्सा अधिकारी का पत्र अपलोड करना होगा। क्वारेंटाइन रहे छात्रों को तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार का प्रमाण-पत्र अपलोड करना होगा। दृष्टिहीन, मूक-बधिर (दिव्यांग) छात्रों को स्वंय का घोषणा पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा। मण्डल द्वारा 23 जुलाई तक संबंधित जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को छात्रों की जानकारी एवं दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएगें। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार दस्तावेजों का परीक्षण कर 27 जुलाई तक संबंधित छात्रों के आवेदन और जानकारी को मान्य अथवा अमान्य करना अनिवार्य होगा।

कल एक सीध में आएंगे शनि, पृथ्वी और सूर्य

20 को शनि, पृथ्वी और सूर्य एक सीधी रेखा पर होंगे

भोपाल। कल (14 जुलाई) को ग्रह गुरु, पृथ्वी और सूर्य एक सीध में होगें। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि 14 जुलाई की शाम जब सूर्य पश्चिम में अस्त हो रहा होगा तब पूर्व में गुरु ग्रह (जुपिटर) उदित हो रहा होगा। गुरु ,पृथ्वी और सूर्य के एक सीध में आ जाना %जुपिटर एट अपोजिशन% कहलाता है। इस पूरी रात आकाश में जुपिटर रहेगा। इस समय इसे देखा जाना सबसे अच्छा होगा क्योंकि यह हमसे करीब होगा। उन्होंने कहा कि गत पांच जुलाई के दिन गुरु पूर्णिमा पर सुबह जब भारत में चंद्रमा आकाश से विदा हो चुका था तब दक्षिण-उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी अफ्रीका में होने जा रही शाम के दौरान

चंद्रमा के अस्त होते हुए उपछाया चंद्रग्रहण दिखाई दिया। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं दिया। 20 जुलाई को सबसे सुंदर ग्रह शनि (सेटर्न) पृथ्वी और सूर्य एक सीधी रेखा पर होगें। 28 जुलाई को मौसम साफ रहने पर रात में तारों की बारिश दिख सकती है। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई अमावस्या की शाम को आकाश में चांद तो नहीं दिखेगा लेकिन सबसे सुंदर ग्रह शनि (सेटर्न) पृथ्वी और सूर्य एक सीधी रेखा पर होगें। इसे %सेटर्न एट अपोजिशन% कहते हैं। पृथ्वी के पास होने से इसे टेलिस्कोप से देखने पर इसके रिंग और इसके कुछ चंद्रमा देखे जा सकते हैं। 22 जुलाई को सूर्यादय के ठीक पहले पूर्वी आकाश में बुध ग्रह (मरकरी)को आकाश में देखा जा सकेगा। इस दिन यह सूर्य से 20 डिग्री ऊपर उठा दिखेगा। इसे मरकरी एट ग्रेटेस्ट वेस्टर्न इलोंगेशन की घटना कहते हैं। 28 जुलाई की रात को आकाश में टूटते तारों की औसत बरसात देखी जा सकेगी। इसे डेल्टा एक्यूरिड मेटियोर शॉवर कहते हैं।

संपादकीए

कोरोना का खतरा

अनलॉक-2 के बीच देशभर में बढ़ रहे कोरोना के मरीजों की संख्या ने हर किसी को डरा दिया है। 10 दिनों में मरीजों की संख्या में हुई बढ़ोतरी के बाद सरकारें लॉकडाउन की तरफ जाने लगी हैं। कोरोना के संक्रमण से महानायक अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन तक नहीं बच पाए हैं। क्या खास और क्या आम कोरोना किसी को नहीं छोड़ रहा है। इस बीमारी से बचाव के लिए सुरक्षित दूरी और मास्क ही एकमात्र उपाय है। यह सभी जानते हैं, बावजूद इसके अनलॉक में इसका सभी ने पालन नहीं किया। कई जगह से तस्वीरें आईं, जिसमें दिखा लोग कितने इत्मीनान से घूम रहे हैं। इसी का खामियाजा आज पूरा देश भुगत रहा है। सरकार कह जरूर रही है कि कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई को पूरी दुनिया देख रही है, लेकिन हमने अब लापरवाही की आदत नहीं छोड़ी तो दुनिया हमें हारते भी देखेगी। इसमें कोई संदेह नहीं। अभी अच्छी बात सिर्फ यह है कि देश में कोविड-19 मरीजों की मृत्यु दर भी दुनिया की अपेक्षा इसका मतलब कतई नहीं है कि हम बेफिक्र होकर बैठ जाएं। हमारी बड़ी आबादी अब भी खतरे में है, इसलिए संक्रमण तेजी से फैल सकता है। ऐसे में हमें इलाज और दवाइयों के इतर बचाव की सारी सावधानियां बरतने पर जोर देना होगा। शहरों के स्लम एरिया में संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा है। सरकारों को स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि कंटेनमेंट जोन में संक्रमण का स्तर बहुत ज्यादा पाया गया है। सरकार कोरोना से लडने् के हर कदम उठा रही है, लेकिन ये प्रयास तभी फलीभूत होंगे, जब नागरिक स्वयं तकलीफ सहने की हद तक सतर्कता बरतेंगे। मानव व्यवहार के कई अध्ययनों के अनुसार ग्रामीण भारत में हर चौथा व्यक्ति बच्चों को खिलाने से पहले हाथ नहीं धोता। गरीबी की वजह से साबुन का इस्तेमाल न करना और बीमारी के लक्षण छिपाना, ताकि रोजी-रोटी के लिए बाहर निकलने पर रोक न लगे। स्वच्छता-शून्य गंदी बस्तियों का जीवन इस चरण में देश को बेहद खतरनाक मोड़ पर ला चुका है। इस चरण में बीमारी का प्रसार बेहद तेजी से होता है। भारत के तमाम राज्यों में हाथ धोने के लिए साबुन और पानी की भारी कमी है। दूसरे चरण में कोरोना के प्रसार की रफ्तार का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर तीसरे दिन मरीजों की संख्या दूनी हो जाती है। जिन देशों में संक्रमण चरम पर है, वहां इसी दौर में जबरदस्त प्रसार देखा गया है। फिर भारत में कोरोना के मामले अब जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, वे हालात की गंभीरता को बताने के लिए काफी हैं। देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा बचा होगा जहां से कोरोना संक्रमित व्यक्ति के मिलने की खबर न आ रही हो। सबसे ज्यादा खराब हालात तो महाराष्ट्र में है जहां संक्रमित लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। पूरे देश में सरकार लोगों जागरूक कर रही है, मीडिया के माध्यम से जानकारियां दे रही है, हाथ धोने से लेकर मास्क पहनने जैसी अपील कर रही है, इसके बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं और इसका सीधा असर यह हो रहा है कि महामारी को फैलने से रोकने के जरूरी कदम बेकार साबित हो रहे हैं। कोरोना से लड़ाई सरकार और जनता दोनों की है, जब एक भी गंभीर नहीं होगा, महामारी का खतरा बढ़ता जाएगा।

बादलों को भी धरती का आसरा है

कृ?ण जब जन्मे तब रात अँधेरी थी लेकिन आकाश जलभरे बादलों से भरा हुआ था। काले-काले मेघों की पंचायत जुटी थी और काला अँधेरा उनसे मिल कर कृ?ण का सृजन कर रहा था। राधा उनकी वर्षा बनीं और कृ?ण बरस कर रिक?त हो गए। राधा भी बरस कर रिक?त हो गईं। काले मेघों की उज?जवल वर्षा ने बरस-बरस कर पृथ?वी को उर्वर बना कर रस से भर दिया। यही रस भारतीय साहित?य, संस?कृति और जीवन में बार-बार छलका। जब-जब हम अनुर्वर हुए - वे बार-बार बरस कर हमें उर्वर बनाते रहे। राष?ट्रजीवन की पुण?य सलि?लाओं का अमृत कुंभ भरते रहे। मेघों की वर्षा में निसर्ग तो उतरता ही था, पूरा का पूरा सर्ग भी उसमें भीग कर पुनर्नवा होता रहता था। भूख, बाढ़, विध्वंस के साथ उसमें फुहार, रिमझिम, गीत नृत्य पर्व, विरह विषाद, रस की धाराएँ भी बहती थीं और वह संगीत भी होता था जिसकी महफिल में अलग-अलग राग, ताल, और चाल-ढाल की बंदिशें मिलकर एक ऐसी मनोरम इकाई की रचना करती थीं जिसे भारत कहा गया। मेघ हैं तो जल है। जल है तो जीवन है। जीवन है तो रस है। यह रस सूख रहा है इसलिए सब व?याकुल हैं। नदियों ने महान संस?कृतियों को जन?म दिया और संस?कृति-पुत्रों ने नदियों की धाराएँ मोड़कर, उन पर बाँध बना कर, उन?हें नहरों में बाँट कर उन?हें ऐसा निर्जल कर दिया कि अर्घ्?य देने के लिए भी जल नहीं बचा! बनारस के दशाश?वमेघ घाट पर गंगा के भरे हुए जल को देखिए तो, संस?कृति की शव-यात्रा निकलती हुई दिखाई देती है। मथुरा-वृंदावन में राधा-कृ?ण की जमुना में आचमन के लिए भी जल नहीं है। महेश?वर में नर्मदा पर डूबता हुआ सूरज और पिघलती हुई शाम उदास कर देती है। नदियों को काट कर नहरें तो निकाल दी गईं लेकिन हम क्या किसी नदी को भी जन?म दे सकते हैं? पहाड़ टूटे, जंगल कटे, नदियाँ बँटी और धीरे-धीरे सब सूखने लगा। वर्षा का वह नौसर्गिक संगीत जो पूरे भारत के जीवन में बजता और बहता था, धीरे-धीरे मौन होने लगा। लोग आबे-जमजम के पास पहुँच कर भी प?यास से मरने लगे। शब?द, जो सर्ग और निसर्ग की गाँठें खोलकर, हमारी जीवन-नौका पर पाल की तरह तन कर उसे बहाते थे और हवा की मार से हमें बचाते थे - उनके भीतर का जल भी सूखने लगा। प्रवाह रुक गया और नौका बालू में फँस कर रुक गई। जब प्रवाह रुकता है तो सब कुछ दृश?य बन जाता है। शब?द भी दृश?य बन गए। उन?हें देखकर जब आँखें भर जाती थीं तब वे रुक कर आँसू सूखने की प्रतीक्षा करते थे। दृश?य किसी की प्रतीक्षा नहीं करता, आगे बढ़ जाता है। सब कुछ दृश?य हो गया और अदृश?य के अस्तित?व पर संदेह होने लगा। सब मिटने लगा - गीत, नृत?य संगीत, साहित?य, संस?कृति? और वह सब - जो जीवन की आपाधापी में हमें रस देता था, सांत?वना देता था, शक्ति देता था और वेदना-संवेदना और प्रार्थना से जोड़ता था इसलिए नदियाँ कंकाल होती गईं, जल के स्रोत सूखने लगे और पानी पर भी बाजार का कब?जा हो गया। लोगों को दृश?य बनना था इसलिए अब मेघों की जरूरत नहीं रही। मेघ भी सूखने लगे। नीति-अनीत, राग-विराग सर्ग-निसर्ग सब बाजार के हवाले हो गए। जब जल सूखता है तो धरती भी बँटने लगती है। भाषा, क्षेत्र जाति, संप्रदाय के नाम सब कुछ बँटने लगा। मेघ जब उदास होते हैं तो कृ?ण का अंधकार और राधा का प्रकाश भी प्रवाह से दृश?य बन जाता है। तब भक?त तो विभक?त होते ही हैं, प्रकाश और अंधकार भी बँट जाते हैं। पहले मेघ आते थे तो जीवन का चातुर्मासी समारंभ होता था। जेठ से आश्विन तक मेघ देवता ऐसी संगीतमय रचना करते थे जिसके पात्र हम सब तो होते ही थे, पशु-पक्षी भी होते थे, वन-उपवन होते थे और होती थीं भरी हुई नदियाँ - जिनके तट पर राष?ट्र जीवन का अमृत कुंभ भरता था। लेकिन वे धीरे-धीरे सूखती गईं। उदास, सूखी हुई और सड़ती हुई नदी के पास आचमन

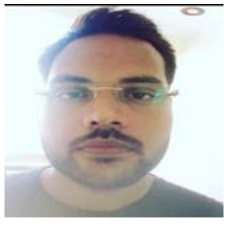

के लिए भी जल नहीं बचा। उनके अड़ार पर अड़े वृक्षों के पास भी इतने पत?ते भी नहीं बचे कि वे किसी मंगल कलश को ढँक सकें। आस?था के सातत्य से मिलकर बनता था वर्षा-राग। शुरुआत होती थी मेघों की पखावज से। उसके पूर्व, जेठ में ओलों की वर्षा होती थी। अभी लोग सहमे कि आषाढ़ के पहिले दिन से धारा-नृत?य की शुरुआत हो जाती थी। पूरा समाज मिल कर गाने और नाचने लगता था। कृ?ण पक्ष की अष?टमी की आधी रात को कृ?ण जन?म लेते थे तो शुक?ल-पक्ष की अष?टमी को राधा का अवतरण होता था। बुद्ध एक माह पहिले आए वैशाख की पूर्णिमा को। जलते, प?यासे, सूखते जनजीवन को उन?हें करुणा की वर्षा से सींचना था। जीवन से निर्वाण तक उनकी यात्रा वर्षारंभ के पूर्व इसी पूर्णिमा के प्रकाश की छाया में चलती रही। उन?हें पूरे जीवन चलना था और वर्षा को साक्षी बना कर वे सारे उपदेश देते थे जो संत नहीं, वैज्ञानिक देते हैं। उन?होंने कहा, पहले अनुभव फिर बाद में श्रद्धा। लोग सुनते आए थे, पहले श्रद्धा फिर अनुभव। वे जानते थे कि सारे बँटवारे की जड़ वह सूत्र है जो कहता है पहले विश?वास फिर फल या परिणाम। इस सूत्र ने तो कर्मकांड बनाया उसमें सब बँटा हुआ था। धर्म और राजनीति के सहारे ऐसा जाल बुना गया जो बाहर से एक था लेकिन भीतर टुकड़ों से भरा हुआ था। उनके पास वैज्ञानिक की आँख थी जो मूल के कारणों को देखती थी। लेकिन उन?होंने जो देखा उसे कहा अपने अनेक वर्षावासों में, मेघों को साक्षी बना कर। जेठ और आषाढ़ मिल कर बने बुद्ध और कृ?ण। कोई वर्षा के इस पार था, कोई उस पार - लेकिन दोनों के बीच में वर्षा थी। तब जल की कमी नहीं थी, सब लबालब भरा हुआ था। जल और मेघ की तरह बँटे होकर भी सब जुड़े हुए थे। जेठ की आँच न हो तो आषाढ़ आएगा कैसे? ग्रीष?म ताप के कोड़ों से जब समुद्र को जगाता है तो उसके आँसू बादल बनते और आकाश में छा जाते हैं। हवा का रथ उन?हें ले जाता है पर्वत पर, वन-प्रांतर में, नदी-पोखर में, मनुष?य के भीतर बढ़ते हुए पठार में। धरती अन?न-जल से भर जाती है, पर्वत पर झरनों का जन?म होता है, झरने मिल कर नदी की रचना करते हैं। वह सबको सींचती हुई, प?यास बुझाती हुई, फिर सागर के पास चली जाती है। पूरा जीवन-चक्र समाया हुआ है ऋतु चक्र में। आषाढ़ की पूर्णिमा में चंद्रमा का घट अमृत से भर जाता है और वह सवन करता हुआ, उफनता हुआ पृथ?वी पर गिरने लगता है। सवन से गिरी हुईं अमृत की बूँदे उत?सव की रचना करती हैं। सवन से शब?द बना है %उत?सव%। और जीवन, उत?सव नहीं तो और क?या है? आषाढ़ से ही शुरू होती है वह लीला, जिसमें राग-विराग, भक्ति-ज्ञान, धर्म-विज्ञान, सागर-पर्वत - सबका भेद मिट जाता है। यह वर्षा-राग है जो लोक-परलोक के भेद को भी मिटा देता है। मेघों से टूट रहा है हमारा संवाद। बँटे हुए जन-मन पर वे अब भी बरसते हैं लेकिन सातत?य के साथ नहीं, रुक-रुक कर। कहीं बाढ़ आकर सब बहा ले जा रही है, कहीं लोग प्यास से मर रहे हैं। अतिवृष्टि और अनावृष्टि - दोनों ओर प्रलय - मृत्यु-राग, बजा रहे हैं वही मेघ। उनके जल को ग्रहण करने के लिए हमारे पास जगह ही कहाँ है? अँजुरी भी कहाँ खाली है कि वे बरसें और सारे भेद मिटा कर सब एक कर दें। थोड़ी जगह दें बादलों को उतरने के लिए। नहीं देंगे तो जल जीवन नहीं; जहर बनकर हमको मारेगा और बाढ़ बन कर हमारी बस्तियाँ बहा देगा। जगह देंगे तो बौछार, झड़ी और रिमझिम बन कर आस?था के कुंभ को भरता रहेगा, संस्कृतियों की रचना करने वाली नदियों को सदानीरा बनाते हुए उनके प्रवाह को रुकने नहीं देगा। पहले नदियाँ जब अपने तटबंध तोड़ देती थीं तो हम उनकी पूजा करके उन?हें मनाते थे। गंगा, यमुना, नर्मदा, कावेरी, गोदावरी, सरयू का क्रोध उतारने के लिए क?या किसी ने तट पर खड़े होकर आरती की? नहीं की, तो क?यों?

प्रफुल सिंह ÷बेचैन कलम÷
शोध प्रशिक्षक एवं साहित्यकार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

बीते पल ना भूले मन

कहाँ कोई किसी को हमेशा याद रखता है।
साथ है जब तक,बस तभी तक हाथ मिलता है।।

ये कुछ लम्हे जिनका साथ आज तुझको मिलता है।
तपती धूप में कुछ पल बारिश में भीगने सा लगता है।।

चलते - चलते कभी भी
किसी के पैर नही थकते है।
छुट जाता है जब किसी का
साथ,ये तभी दुखते है।।

ना जाने बीते हुए पलो में
कितने रिश्ते छूटते गए।
परेशां वही है,जिसके मन के पटल पर वो रुकते गए।।

हर अगले पल कोई पुराना दोस्त छूटता चला गया।
तेरा ही मन भावुक था , जो टूटता चला गया।।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश)

कुकुभ छंद कविता

बस दर्पण हूँ मैं जीवन का ,नहीं दम्भ अभिलाषा है ।
सहज सत्य का अनुपालन ही,हिय कहता परिभाषा है ।

करूं समाहित सार दृष्टि का
,अविलंब धरूं मैं निजता में । ,
प्रेम और आँसू के अनुभव
,दृश्य जीव की क्षमता के ।
भाव दिखाता तिक्त मधुर सब
,जिसकी जो जिज्ञासा है ।
सहज सत्य का अनुपालन ही
,हिय कहता परिभाषा है ।

नयनन खोले भेद दिलों के
,भले अधर चुप रह जाये ।
दर्पण सन्मुख प्रीत बावरी ,चुपके आ सब कह जाए ।
हल हो प्रश्न कठिन जीवन के ,दर्पण से यह आशा है ।
सहज सत्य का अनुपालन ही ,हिय कहता परिभाषा है ।

भौतिक साधन तृप्त करें कब ,सुंदरता क्या तन में है ।
नैनन नीर हरो मानस के ,हर्ष उपजता मन में है ।
मत कुंठा को हृदय समेटो ,क्योंकर भरी निराशा है ।
सहज सत्य का अनुपालन ही ,हिय कहता परिभाषा है ।

रीना गोयल
(हरियाणा)

लघुकथा — दर्द

विधुर कैलाश जीवन संध्या में इकलौती संतान बेटी के परिवार के साथ रहता है । उसकी बेटी के बीमार होने पर समाज के एक भैया भाभी मिलने आए। सिरदर्द की दवा खाकर कैलाश सो रहा था। भाभी के पूछने पर कि अंकल कैसे हैं। बेटी ने उत्तर दिया कि ठीक ही है पर मन नहीं लगता। इस बीच कैलाश की बेटी की बेटी बोली कि नानी नहीं है इसलिए उनका मन कैसे लगेगा। मासूम सी 6 वर्ष की इतनी गहरी बात को सुनकर सभी हतप्रभ रह गए। मन ही मन सोचते रह गए। बाल मनोविज्ञान कितना सही विश्लेषण कर लेता है जब कि बड़े इतनी गहराई से समस्या को पकड़ पाने में असमर्थ हो जाते हैं। अपने नाना का दर्द कैसे इतनी छोटी सी लड़की ने समझ लिया यही सब सोचते रह गए।

दिलीप भाटिया
राजस्थान

निजिकरड अच्छा या बुरा?

सन 1947 में जब हमें आज़ादी मिली तो हर एक भारतवासी का सपना था कि मिलकर हम गरीबी हटा देंगे और हमारा चुना देशधिकारी हमें भूख से नहीं मरने देगा, पर बढ़ते दशक में हमने सिर्फ महँगाई और बेरोज़गारी की ही चपत खायी है। पहली बात ये की पहले कई अलग धर्मों की हुकूमतें हमारे पूर्वजों ने देखी हैं,जहां उन्हें कभी ऊंचे पर बैठने की अनुमति नही मिली। आज जब हम स्वतंत्र है। हमारा नेता ,हमारे ही देश का है ,हमारा ही चुना हुआ है फिर उसको निजिकरडता की क्या आन पड़ी है? और वे निजिकरडता का उपयोग भी कैसे कर सकते हैं, देश सिर्फ उनका नही हमारा भी है बतौर कई माओ की कोख सूनी हुई है इसको आज़ादी दिलाने में,कई बहनें विधवा हुई हैं फिर उस टीले पर बैठे लोग जो हमारे ही चुने हुए हैं कैसे निजिकरड शब्द का उपयोग कर सकते है । मुझे तो ये देखकर हैरानी हो रही है कि हमारे देश का युवा कूपमंडूक बना क्यों बैठा है , क्यों अपनी आंखों पर काली पट्टी बांधे ज़बरदस्ती का अंधा बना हुआ है,सबकुछ जानते हुए भी क्यों चुप्पी साधे बैठा है क्या युवाओं को कोई फर्क नही पढ़ता की उनके देश के भितरघाती लोग यदि विश्वासघात करने लग जाएं तो उनको सबक सिखाना चाहिये। धीरे -धीरे लगभग सारी संपत्ति निजिकरडता के अधीन हो रही है,हमारी नौकरियां सब उच्च लोगों के अधीन हो रही है,यहां फिरसे जातिवाद की सजगता उज्जवल हो जायेगी जो को अभी भीनी पड़ी हुई है। देश का युवा इतना मंदबुद्धि हो गया है अंधविश्वास में,की उसको उन वाक्यों के मायने समझ ही नहीं आते जिसमे किसी ने ये कहा था कि ÷यद्यपि भारत का युवा जाग गया तो भारत को विकासशील से विकसित देश में तब्दील होने से कोई नही रोक सकता÷। निजिकरडता के कारण सिर्फ वे लोग लाभान्वित हो सकेंगे जिनके पास अच्छी आमदनी होगी या जिनके पूर्वज उनके लिए खैराती छोड़ गए होंगे। निजिकरडता का झंडा लेकर चलने वाली वर्तमान सरकार हमारे देश को लोकतंत्र को कहीं फिरसे राजतंत्र में न बदल दे। सत्तर साल -सत्तर साल का नारा देने वाले हमने पहले तो कभी निजिकरडता की बात नहीं सुनी थी अचानक से निजिकरड आरक्षण खत्म करने की सिफारिश कौन करने लगा क्या इसका इल्ज़ाम भी सत्तर साल वाली सरकार की मत्थे गढ़ेंगे। हम बता दें की देश का युवा गुमराह है बेवकूफ नहीं जिस दिन इन्हें परेशानी का एहसास जो जायेगा उस दिन ये विकल्प स्वयंम निकाल लेंगे।

जय हिन्द-जय भारत
=- पल्लवी राहुल
(जिला-इटावा)

कोरोना की मार झेलता चंदेरी हथकरघा वस्त्र कुटीर उद्योग

यदि कोई इंसान इस बात को लेकर खुश है कि भारत सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा आठ जून से लॉकडाउन खोल दिए जाने के कारण अब कोई परेशानी नहीं है। सारी की सारी परिस्थितियां पूर्व जैसी सामान्य हो गई है तो हमारा मानना है कि वह एक बहुत बड़ी गलतफहमी का शिकार है। क्योंकि कोरोना वायरस बीमारी ने भारत को अभी अलविदा न कहकर और तेजी से अपने पैर पसारना प्रारंभ कर दिए हैं। देश-प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिदिन कोरोना मरीजों से संबंधित जारी आंकड़े इन तथ्यों के गवाह हैं कि वायरस से संक्रमित रोगियों की तादाद में तेजी से दिन प्रति दिन इजाफा हो रहा है। कोरोना वायरस महामारी की मार से मात्र मानव समाज ही त्रस्त नहीं है बल्कि उसने मानव समाज की रोजी-रोटी कमाने के जो जरिए, संसाधन थे उन पर भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से डाका डाल कर बुरी तरह प्रभावित किया है। यानी हम यह कह सकते हैं कि कोरोना के कारण आज दुनियां कि प्रत्येक इंसान दोहरी मार झेल रहा है। एक ओर जहां पीड़ित इंसान अपनी जिंदगी से हाथ धो रहा है तो वहीं दूसरी ओर दो जून की रोटी जुटाने के संसाधन ठप्प हो जाने अथवा ठप्प होने की कगार पर पहुंच जाने के कारण बदहाली की ओर अग्रसर होते देखा जा रहा है। यदि हम भारतीय परिवेश में महा नगरों, नगरो, कस्बों और गांवों में स्थापित परम्परागत लघु मध्यम कुटीर उद्योग की बात करें जिसमें हथकरघा कुटीर उद्योग भी शामिल है। वर्तमान हालात बद से बदतर होते नजर आ रहे हैं। याद रखना होगा कि देश प्रदेश में कृषि व्यवसाय के बाद हथकरघा कुटीर उद्योग बहुत बड़ी जनसंख्या को रोजगार ही उपलब्ध नहीं कराता बल्कि उनके जीवन में खुशहाली के रंग भरने का माध्यम भी बनता है। हथकरघा के माध्यम से अपने तथा अपने परिवार के पेट की आग को शांत करने वाले जिन्हें आमतौर पर बुनकर कहा जाता है आज कोरोना के दुष्परिणाम के चलते बेबस लाचार भरी जिंदगी जीने को मजबूर होकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बरकरार रखते हुए अपने घर की दरों-दीवार पर बैठे-बैठे पानी पी-पी कर उस मनहूस घड़ी को कोस रहे हैं जिसमें कोरोना वायरस का जन्म हुआ था। एक हजार साल से निरंतर आबाद ऐतिहासिक एवं पर्यटन नगर चंदेरी की आन-बान-शान ही नहीं अपितु नगर की रीढ़ यानी जीवन रेखा चंदेरी साड़ियां एवं अन्य वस्त्र निर्माण हाथकरघा की बदौलत अपना नाम राष्टीय ही नहीं अंतरराष्टीय स्तर पर रोशन कर रही हैं। जिसमें पीढ़ी-दर-पीढ़ी अनुभव प्राप्त स्थानीय हुनरमंद बुनकरों का खून पसीना शामिल है। यह बुनकरों के हाथों का कमाल है कि एक नहीं अनेक बुनकर राज्य अथवा राष्टीय स्तर पर साड़ियों के माध्यम से उत्कृष्ट बुनाई कार्य हेतु सम्मानित एवं पुरस्कृत हो चुके हैं। निरंतर 14वीं-15वीं सदी से नगर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराए हुए यह हाथकरघा कुटीर उद्योग आज कोरोना की मार से बेहाल हुआ जा रहा है। उसका कारण है कि यह एक ऐसा लघु कुटीर उद्योग है जिस में उपयोग होने वाला कच्चा मटेरियल बाहर से आता है अथवा बुलाया जाता है। दूसरे हाथकरघा के माध्यम से बुनकर चंदेरी साड़ियां अथवा अन्य वस्त्र निर्मित करते हैं फिर उन्हें स्थानीय मास्टर बुनकर अथवा साड़ी व्यापारी के यहां जमा कर अपनी तयशुदा मजदूरी प्राप्त कर लेते हैं।

दहेज ज्यादा कीमती है आपकी बेटी नहीं'

ढेर सारे सपने और मुठ्ठी भर उम्मीदें लेकर एक लड़की शादी करती है, चुपचाप तमाम रीति-रिवाजों को मानते हुए अपना सबकुछ छोड़ एक अनजानें परिवार का हिस्सा बन जाती है।

मां-बाप बड़े प्यार से बेटी को विदा करते हैं बहुत सारी समझाइश और बहुत सारे दहेज के साथ।

जब बात शादी की चलती है तो जनाब लड़की की मांग भरने से पहले लड़के वालों की मांग की पूर्ति पहले की जाती है।

समझाइश और दहेज के साथ लड़की ससुराल में कदम रखती है, तो उसकी जिम्मेदारियां कम करने के लिए दहेज ससुराल वाले रख लेते हैं और समझाइश उसे पकड़ा देते हैं।और वह लड़की समझाइश की उस पोटली को जब तक जीती हैं बड़े संभाल कर रखती है।

उस पोटली में विशेष समझाइश इस प्रकार होती हैद्ध बेटी अब ससुराल ही तुम्हारा घर हैं, यहां से डोली उठ रही है वहां से अर्थी वहीं से उठेगी।

बेटी वहां किसी को जवाब मत देना।

बेटी मायके की लाज और ससुराल की मर्यादा का ध्यान रखना।

तेरे गरीब बाप ने बड़ी मुश्किल से तेरी

शादी की है अच्छें से रहना और किसी को भी दुख हो ऐसा काम मत करना।

इन समझाइशों का पालन लड़की हमेशा करती है,अब गुजरते वक्त के साथ उसके ससुराल वालों को दहेज कम लगने लगता है और वे उस लड़की पर और दहेज लाने का दवाब डालने लगते हैं, लड़की अपने मायके की कमजोर आर्थिक स्थिति से वाकिफ हैं वह मना कर देती है जिसका परिणाम उसे अपनी जान दे कर चुकाना पड़ता है।

हमारे देश में हर साल दहेज के लिए प्रताड़ित करने या दहेज के लिए लड़की को मारने के संबंधित केस दर्ज होते रहते हैं।

हम नारे लगाते हैं कि दहेज लेना या देना अपराध है,हम दहेज और इसके दुष्प्रभाव पर निबंध,लेख कुछ सुविचार भी पढ़ते हैं पर सुधार फिर भी नहीं लाते।

हमारी कानून व्यवस्था में दहेज के लिए सख्त कानून है,पर फिर भी न दहेज लेने वाले रुकते न देने वाले।

और शर्म की बात यह है कि दहेज के दुष्प्रभाव को देखते हुए भी हमारे समाज में धड़ल्ले से दहेज लिया जाता है,और बहुत सारे लोग अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते कभी दहेज का विरोध नहीं करते और कहानी वही चलती है जो मैंने ऊपर बताई एक लड़की को विदा किया जाता है बहुत सारी समझाइश और बहुत सारे दहेज के साथ।

अंकिता जैन अवनी
लेखिका/कवयित्री
अशोकनगर मप्र

करें रूरल मैनेजमेंट कोर्स

ग्रामीण क्षेत्रों के टिकाऊ विकास के लिए संसाधनों का पेशेवर प्रबंधन जरूरी है और इस प्रबंधन के लिए जरूरी है प्रबंधकर्ताओं का पर्याप्त पेशेवर प्रशिक्षण। ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए समर्पित संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद में पीजी प्रोग्राम इन रूरल मैनेजमेंट के लिए आवेदन मंगवाए गए हैं। कोर्स में ऑनलाइन आवेदन के लिए अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2014 रखी गई है। यदि आप इसकी अहर्ताएं पूरी करते हैं तो तय तिथि से पहले आवेदन कर दें।

आईआरएमए

इंस्टीटयूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद गुजरात का एक प्रतिष्ठित संस्थान है, जो ग्रामीण समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। यहां कराए जाने वाले कोर्सेज को कुछ इस तरह से डिजाइन किए गए हैं, कि ये ग्रामीण समुदायों के लिए कार्य करने के व्यावहारिक तरीके सिखाते हैं। ये क ोर्सेज खास तौर पर उन लोगों के लिए हैं, जो या तो ग्रामीण समुदायों से सीधे तौर पर जुड़कर काम करना चाहते हैं या फिर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए काम करने वाले संगठनों से जुड़ना चाहते हैं। आईआरएमए के पीजी प्रोग्राम में प्रवेश का आधार कैट-2014 की परीक्षा एवं संस्थान की परीक्षा होगी। इसलिए प्रवेश के लिए दोनों ही परीक्षाओं की तैयारी अच्छी तरह से करें।

क्या है योग्यता?

आईआईआरएम के पीजी प्रोग्राम में आवेदन के लिए जरूरी है कि आपने कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएशन किया हो और कैट-2014 की परीक्षा में बैठे हों। कैट स्कोर के अलावा आईआरएमए की परीक्षा देनी होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सवालों की प्रकृति के बारे में आगे बताया गया है। एससी/एसटी और शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए ग्रेजुएशन के अंकों की प्रतिशत की अर्हता 45 प्रतिशत है। योग्यता से जुड़ी विस्तृत जानकारी को देखने के लिए संस्थान की वेबसाइट पर विजिट करें।

परीक्षा का प्रारूप

आईआरएमए के इस पीजी प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आपको संस्थान की ओर से आयोजित की जाने वाली एक प्रवेश परीक्षा देनी होगी। परीक्षा का आयोजन 25 जनवरी 2015 को किया जाएगा। यह कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी, जिसमें पूछे जाने वाले सवाल बहुविकल्पीय होंगे। सवालों की कुल संख्या 40 होगी और इनके लिए आपको 25 मिनट का समय दिया जाएगा। ये सवाल ÷इश्यूज़ ऑफ सोशल कन्सर्न÷ यानी सामाजिक चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर आधारित होंगे। इस परीक्षा के बाद ग्रुप एक्टिविटी और पर्सनल इंटरव्यू से गुजरना होगा। आपके चयन के लिए कैट के स्कोर, आईआरएमए टेस्ट के स्कोर, ग्रुप एक्टिविटी और पर्सनल इंटरव्यू में आपके प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। इसलिए किसी एक चीज तक सीमित न रहें और इनमें से प्रत्येक चीज के लिए मेहनत करें।

कैसे करें आवेदन?

आईआरएमए में आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के लिए वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईआरएमए डॉट एसी डॉट इन पर जाएं और फॉर्म भर दें। ऑनलाइन आवेदन के लिए अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2014 है, जबकि ऑफलाइन आवेदन करने वालों के लिए अंतिम तिथि 8 दिसंबर है। आईआरएमए का प्रॉस्पेक्ट्स, पिछले साल के सैंपल पेपर संस्थान की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

एप्लीकेशन फीस

आईआरएमए के पीआरएम कोर्स में आवेदन के लिए आपको एप्लीके शन फीस का भुगतान करना होगा। सामान्य जाति और ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर)आवेदकों के लिए एप्लीकेशन फीस 1200 रूपए है। शारीरिक रूप से अक्षम, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आवेदकों के लिए यह फीस 600 रूपए है। एप्लीकेशन फीस पेमेंट गेटवे या एसबीआई चालान से कर सकते हैं। पेमेंट गेटवे के जरिए भुगतान ऑनलाइन हो जाएगा, जबकि चालान के लिए आपको फीस बैंक में जाकर भरनी होगी।

क्या है प्रोग्राम?

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन रूरल मैनेजमेंट (पीआरएम) दो साल का आवासीय क ोर्स है। इस प्रोग्राम के तहत चार प्रमुख सेगमेंट हैं। ये सेगमेंट हैं- क्लासरूम, विलेज फील्डवर्क, डवलपमेंट इंटर्नशिप और मैनेजमेंट ट्रेनीशिप। क्लासरूम में ग्रामीण प्रबंधन से जुड़ी जानकारी आधुनिक शिक्षा विधियों एवं तकनीकों से दी जाती है। विलेज फील्डवर्क में स्टूडेंट्स को ग्रामीण क्षेत्रों और वहां के हालातों क ा अनुभव लेने का मौका मिलता है। डवलपमेंट इंटर्नशिप में आपको संगठनात्मक संरचना और काम के तरीकों का पता चलता है। मैनेजमेंट ट्रेनीशिप में आपको अब तक पढ़े सिद्धांतों, अनुप्रयोगों क ो और अधिक विकसित करने और लागू करने का अवसर मिलता है। चारों चरण एक-दूसरे से जुड़े हैं और बेहद महत्वपूर्ण हैं। रूरल मैनेजमेंट में रूचि रखने वालों के लिए यह कोर्स अच्छा है।

बच्चों में तेज बुखार से पड़ने वाले दौरे मिर्गी नहीं

यह देखा गया है कि पांच साल तक के बच्चों में तेज बुखार होने पर दौरे पड़ते हैं। ऐसे में बच्चों के माता-पिता घबरा जाते हैं और इसे मिर्गी समझ बैठते हैं। यह दौरे फेब्राइल सीजर के नाम से जाने जाते हैं। 2 से 5 प्रतिशत बच्चों में ऐसे दौरे पड़ सकते हैं। करीब 94 प्रतिशत दौरे तीन साल की उम्र तक पड़ जाते हैं और बाकी 6 प्रतिशत पांच साल की उम्र तक ही पड़ते हैं। इसमें बच्चे को 101 डिग्री सेल्सियस से अधिक बुखार हो जाता है। बच्चों में जुकाम, खांसी, कान में दर्द, निमोनिया, दस्त आदि की वजह से बुखार तेज हो सकता है और इस तरह के दौरे पड़ सकते हैं। ये दौरे मिर्गी रोग की श्रेणी में नहीं आते हैं।

फेब्राइल सीजर के प्रकार

मुख्यत~ साधारण फेब्राइल सीजर थोड़ी देर के लिए आते हैं और यह दौरे वंशानुगत नहीं होते हैं। इन बच्चों में न्यूरोलॉजिकल परीक्षण सामान्य होता है। कॉम्पलेक्स फेब्राइल सीजर आंशिक या पूर्ण व ज्यादा देर तक रहते हैं। ये वंशानुगत भी हो सकते हैं। इन बच्चों में न्यूरोलॉजिकल परीक्षण सामान्य नहीं होता है।

चिंता की बात तब

दौरे की फैमिली हिस्ट्री होने, न्यूरोलोजिकल परीक्षण सामान्य ना होने या जन्मजात कोई दोष में से कोई एक भी वजह हो तो 6-8 प्रतिशत लोगों को मिर्गी हो सकती है।

दौरे पड़ने पर क्या करें

बच्चे को करवट से लिटा दें। मुंह में कुछ नहीं डालें। उसके आसपास से नुकीली चीजें हटा दें। उसे घेर कर खडे न हों और बच्चे को हवा लगने दें। उसके टाइट कपड़े खोल दें। अगर मिर्गी का दौरा हो तो ध्यान दें कि वह अपनी जीभ न काट ले। दौरे के बाद बच्चा अपने आप नॉर्मल हो जाता है। एक दिन में अगर चार से पांच बार किसी बच्चे को दौरे पडें तो उसे तुरन्त डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

दौरे पड़ने पर ये न करें

1. जूता न सुंघाएं, मुंह पर पानी न डालें।
2. अंधविश्वास में झाड़-फूंक न कराएं।
3. मुंह में कपड़ा न ठूंसे, मरीज को पकड़े नहीं।

बुखार-जुकाम का इलाज

वैसे फेब्राइल सीजर ज्यादातर खतरनाक नहीं होते और ज्यादातर तेज बुखार होने से ही आते हैं। ?से में बच्चे का बुखार मापकर माथे पर ठंडी पियां या पैरासिटामोल का इंजेक्शन लगाना चाहिए। बाद में शिशु रोग विशेषज्ञ से बुखार, जुकाम आदि का इलाज करवाना चाहिए।

बीमारी से टूटे शरीर के लिए यूनानी इलाज

यूनानी चिकित्सा पद्धति में खमीरा अबरेशम हकीम

अर्शदवाला एक ऐसी दवा है जो ब्लड प्रेशर, लंबी बीमारी के बाद और बुजुर्ग व्यक्तियों को होने वाली शारीरिक कमजोरी, दिल की धड़कनों को नियमित करने, दिल व दिमाग की कमजोरी को दूर करने के लिए प्रयोग की जाती है।यह दवा जड़ी-बूटियों से मिलकर बनी होती है जो चटनी के रूप में तैयार की जाती है। रोगियों को यह दवा नाश्ते के बाद 3-6 ग्राम की मात्रा में लेनी होती है। इस दवा का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता और ये दवा लंबे समय तक ली जा सकती है। यह गीली चटनी जैसी होती है जो स्वाद मे मीठी होती है।

तासीर होती है गर्म

आमतौर पर यह दवा मरीज को 2-3 माह तक लेनी होती है लेकिन सुधार न होने पर इलाज लंबा भी चल सकता है। यह बच्चों को नहीं दी जाती क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है। इसकी जगह पर उन्हें खमीरा अबरेशम सादा दी जाती है क्योंकि यह पचने में आसान होती है।

धनिए के हैं कई फायदे

जो लोग आर्थराइटिस से पीडित हैं, उन्हें धनिए के इस्तेमाल से लाभ होता है। इसे भोजन में शामिल करने से जोड़ों की सूजन कम होती है और इस रोग को बढ़ने से रोका जा सकता है। आर्थराइटिस में जोड़ों में सूजन और दर्द के लक्षण उभरने लगते हैं।

यह सूजन आइनफ्लैमेटरी साइटोकिन्स नामक मेडिएटर पदार्थ के स्राव के कारण होती है, जिससे मरीज को चलने-फिरने और रोजमर्रा के कामों में काफी असहजता महसूस होती है। रोजाना सब्जी या चटनी में इस्तेमाल किया गया धनिया मेडिएटर पदार्थ को शरीर में बनने से रोकता है जिससे आर्थराइटिस के कारण आई सूजन में कमी आती है। इसके और भी फायदें हैं-

1. रोजाना धनिए की चटनी खाने से पाचन प्रक्रिया दुरूस्त होती है।
2. धनिए में आयरन भरपूर मात्रा में होता है इसलिए इसके रोजाना प्रयोग से एनीमिया की समस्या में लाभ होता है।

3. झाइयां होने पर धनिए को पानी में उबाल लें और उस पानी के ठंडा होने पर चेहरा धोएं। ?सा दो हफ्ते तक करने से लाभ होगा।
4. यह विटामिन ए से भरपूर होता है जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।

सेब खाएं, मोटापे को दूर भगाएं

स्वस्थ जीवनशैली चाहते हैं, तो हर रोज एक सेब खाना शुरू करें। सेब में पाए जाने वाले विशेष तत्व मोटापे से संबंधित बीमारियों को दूर रखने में मददगार हो सक ते हैं। वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ग्रैनी स्मिथ प्रजाति के सेब में गैर पाचक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं।शोधकर्ता ग्युलिना नोरात्तो ने कहा कि

हमने पाया कि ग्रैनी स्मिथ सेब में पाए जाने वाले गैर पाचक तत्वों ने वास्तव में मोटे चूहों के मल जीवाणुओं के अनुपात को परिवर्तित कर दुबले चूहों के समान कर दिया। ग्रैनी सेब में पाए जाने वाले गैर पाचक तत्वों की प्रचूर मात्रा शरीर में अनुकूल जीवाणुओं की उत्पत्ति के लिए फायदेमंद होती है। साथ ही इससे आहार फाइबर और पोलीफेनॉल तथा कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को संतुलित रखने में मदद मिलती है। नोरात्तो ने कहा कि कोलोन में स्वास्थ्यवर्धक जीवाणुओं का संतुलन पाचन की प्रक्रिया को स्थिर करता है, जो मोटापे और सूजन तथा संतुष्टि या तृप्ति की भावना के लिए जिम्मेदार होती है। यह खोज मोटापे से जुड़ी बीमारियों जैसे मधुमेह आदि से निजात दिलाने में मददगार साबित हो सकती है।

डेंगू में लें दाल का पानी, चावल का मांड

आयुर्वेद में मांसपेशियों और जोड़ों का दर्द वात और इंटरनल ब्लीडिंग पित्त के बढ़ने का संकेत माना जाता है। आयुर्वेदिक सिद्धांत के अनुसार वात और पित्त का बढ़ा हुआ रूप ही डेंगू होता है। डेंगू मच्छर के काटने पर इस बीमारी की शुरूआत भूख कम होने और टॉक्सिन यानी शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ इकट्ठा होने के कारण होती है। इसके बाद वात और पित्त दोष बढ़ने लगते हैं। शरीर, सिर और मांसपेशियों में दर्द, उल्टी होना और इंटरनल ब्लीडिंग डेंगू बुखार के लक्षण हैं।

वात और पित्त का संतुलन

टॉक्सिन्स यानी विषैले पदार्थो को पचाने, भूख बढ़ाने, वात और पित्त को संतुलित करने व बुखार को कम करने के लिए गुडुचि, मुस्ता, परपटक, खस, संदल (चंदन), धनवयास और पाठा जैसी जड़ी-बूटियां लाभकारी होती हैं। पित्त को संतुलित करने और खून बहने से रोकने के लिए ठंडक प्रदान करने वाली दवाएं जैसे खस, संदल, कामादुधा रस, चन्द्रकला रस आदि दिया जाता है।

गुनगुना पानी

मरीज को पीने के लिए गुनगुना पानी देना चाहिए और नहाने की जगह शरीर को गीले कपड़े से पोंछना चाहिए।

दलिया और दाल का पानी

भूख कम होने और पाचन तंत्र में विषैले तत्वों के बढ़ जाने की स्थिति में मरीज को बहुत हल्का भोजन दिया जाना चाहिए। विभिन्न दालों का पानी, चावल का मांड और दलिया संतुलित भोजन हो सकता है। भोजन के मामले में लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।

एक्सपर्ट की राय

डेंगू का वायरस अस्थिमज्जा (बोनमैरो) पर अटैक करता है जिसके कारण प्लेटलेट्स का बनना रूक जाता है। इनकी संख्या में ज्यादा कमी आने से इंटरनल ब्लीडिंग शुरू हो जाती है। तला-भुना, मसालेदार और मांसाहारी भोजन नहीं करना चाहिए। रसदार फल जैसे अंजीर व पपीता खाएं जबकि केला और आम जैसे भारी फलों से परहेज करना।

डियागो में अमेरिकी सैन्य जहाज में लगी आग के बाद उसमें से निकलता हुआ धूआ

रूस में पुतनि के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग, इस्तीफे की मांग तेज

मास्को। रूस के सुदूरवर्ती इलाके में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इस इलाके के बेहद लोकप्रिय गवर्नर की गिरफ्तारी के बाद हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं और पुतिन के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी पुतिन इस्तीफा दो के नारे लगाकर स्थानीय गवर्नर सर्गेई फुरगाल की रहिाई की मांग कर रहे हैं। गवर्नर को कई हत्याओं के संदेह में अरेस्ट किया गया है। ये विरोध प्रदर्शन चीन से सटे सीमाई इलाके खबरोव्स्क और कई अन्य कस्बों में हुए हैं। वर्ष 2036 तक पुतिन के सत्ता में बने रहने का रास्ता साफ होने के बाद रूसी सुरक्षा सेवा के लोगों ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। बताया जा रहा है कि पुतिन समर्थक उम्?मीदवार को हराकर सर्गेई वर्ष 2018 में सत?ता में आए थे। अब उनके खिलाफ अब तक सबसे बड़ा तलाशी अभियान चलाया गया है। पुतिन प्रशासन के लोगों का कहना है कि जनमत संग्रह में जनता ने उन पर जोरदार भरोसा जताया है। जनमत संग्रह का यह परिणाम उस समय पर आया है जब रूसी राष्ट्रपति की रेटिंग बहुत नीचे चली गई है। 6 लाख की आबादी वाला खबरोव्स्क शहर आमतौर पर बेहद शांत शहर है लेकिन गवर्नर की गिरफ्तारी के बाद माहौल बिगड़ गया है।

अब ऑस्ट्रेलिया को पानी के लिए मोहताज करेगा चीन, खरीद रहा जलस्रोत

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया के साथ जारी तनाव के बीच चीन तेजी से ऑस्ट्रेलियन जलक्षेत्र पर कब्जा जमा रहा है। देश की लचर कानून का फायदा उठाकर चीन की सरकारी कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया के एक बड़े जलक्षेत्र को खरीद लिया है। यह देश पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा है। ऐसी स्थिति में अगर चीन कोई चाल चल देता है,तब इस महाद्वीप में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की सरकारी कंपनी कोफ्को कॉर्पोरेशन की यूनिबेल के पास साउथ वेल्स इलाके में 756 गीगालीटर पानी का मालिकाना हक है, जो ऑस्ट्रेलिया के पानी के कारोबार का 1.9 फीसदी है। दूसरे सबसे बड़े हिस्सेदार अमेरिका के पास 713 गीगालीटर का मालिकाना हक है। जो कुल कारोबार का 1.85 फीसदी है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के पानी का 10.5 हिस्सा विदेशी कंपनियों के कब्जे में है। चीनी कंपनी जिस हिस्से में पानी का मालिकाना हक रखती है वह कृषि और डेयरी के उत्पादन में देश में अव्वल है। ऐसी स्थिति में चीन की कोई भी चाल ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी मुसीबत पैदा कर सकती है। इस इलाके में ऑस्ट्रेलिया का 60 फीसदी अनाज उत्पादन होता है।

51 लोगों की हत्या करने वाला हमलावर खुद लड़ेगा अपना केस

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की दो मस्जिदों में गोलीबारी करके 51 लोगों की हत्या का दोष स्वीकार करने वाले ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति ने अपने वकीलों की सेवाएं लेने से इनकार कर दिया है। वह अगले महीने सजा सुनाए जाने के दौरान अदालत में अपना प्रतिनिधित्व स्वयं करेगा। श्वेत लोगों को सर्वश्रेष्ठ समझने वाले ब्रेंटन हैरिसन टारंट ने क्राइस्ट चर्च में 2019 में गोलीबारी कर आंतकवादी गतिविधि में शामिल होने, 51 लोगों की हत्या करने और 40 लोगों की हत्या की कोशिश करने का अपराध मार्च में स्वीकार किया था। कोरोना महामारी की वजह से उसे सजा सुनाने वाली सुनवाई में विलंब हुआ है। अब यह सुनवाई 24 अगस्त को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। तारीख की पुष्टि सोमवार को क्राइस्टचर्च के हाईकोर्ट ने की। टारंट के वकीलों शैन टेट और जोनाथन हडसन ने अदालत को बताया कि टारंट ने उन्हें हटने का निर्देश दिया है क्योंकि वह खुद ही अपना प्रतिनिधित्व करने के अधिकार का इस्तेमाल करना चाहता है।

हांगकांग में 6 लाख लोगों ने किया मतदान

हांगकांग । हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों ने सप्ताहांत पर दो दिवसीय एक अनाधिकारिक प्राइमरी चुनाव का आयोजन किया जिसमें मत देने के लिए लाखों लोग अपने घरों से बाहर निकले। लोकतंत्र समर्थक खेमा कुछ महीनों में होने वाले विधायिका के चुनावों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। चीन की ओर से अर्ध–स्वायत्त क्षेत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के करीब दो हफ्ते बाद यह चुनाव हो रहे हैं। चीन के इस कदम को एक देश दो व्यवस्था को खत्म करने के तौर पर देखा जा रहा है। इसी रूपरेखा के तहत ब्रिटेन ने 1997 में चीन को हांग कांग सौंपा था। यह कानून पिछले साल के प्रदर्शनों के मद्देनजर पारित किया गया है। ये प्रदर्शन ज्यादा लोकतंत्र तथा पुलिस की अधिक जवाबदेही को लेकर हुए थे। हांगकांग के संवैधानिक मामलों के मंत्री एरिक सांग की पिछली हफ्ते दी गई चेतावनी के बावजूद इस चुनाव का आयोजन किया गया और गर्मी होने के बावजूद लोग बड़ी संख्या में वोट करने के लिए मतदान केंद्र पहुंचे तथा कतारों में खड़े हुए। सांग का कहना था कि प्राइमरी चुनाव नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन कर सकता है। आयोजकों ने उनकी टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि वे विधायिका में बहुमत हासिल करके सरकार को जवाबदेह बनाना चाहते हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने 15 अगस्त तक बढ़ाई देश में जारी आपात स्थिति, रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक रहेगा कर्फ्यू

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कोविड–19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर देश में जारी आपात स्थिति को 15 अगस्त तक बढ़ाने की घोषणा की है। रामाफोसा ने रात नौ बजे से सुबह चार बजे तक रोजाना कर्फ्यू की घोषणा भी की और चिकित्सा सुविधाओं पर दबाव पिछले सप्ताह के हैं। राष्ट्रपति ने कहा रोजाना औसतन 12,000 नए मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कई नागरिकों के मास्क लगाने और सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे एहतियाती नियमों का पालन ना करने को लेकर नाराजगी भी जताई। रामाफोसा ने कहा हम में से कई लगातार लॉकडाउन के नियमों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

कम करने के लिए शराब की बिक्री और वितरण पर भी फिर प्रतिबंध लगा दिया है। इस दौरान पारिवारिक मेल–मिलाप और सामाजिक कार्यक्रम भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। हालांकि कोविड–19 से निपटने के लिए बनाई गई पांच स्तरीय रणनीति में कोई बदलाव किए बिना मौजूदा स्थिति को तीसरे स्तर में ही रखा गया है। रामाफोसा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में कोविड–19 के अभी 2,76,242 पुष्ट मामले हैं और 4,079 लोगों की इससे जान गई है, जिनमें से एक चौथाई वे दूसरों का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की जिम्मेदारी नहीं समझ रहे हैं। उन्होंने कहा वायरस से निपटने की हमारी लड़ाई के बीच कई लोग ऐसे भी हैं जो पार्टी कर रहे हैं, शराब पी रहे हैं और बिना मास्क के भीड़ वाले स्थानों पर जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार में 50 लोगों के जाने की ही अनुमति है और 1000 से अधिक लोग अंतिम संस्कार में जा रहे हैं और वायरस फैला रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा इसी तरह लापरवाही से वायरस फैलता है।

चीन में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ को देखते हुए एक स्कूल में फंसे बच्चों को निकालते हुए राहत कर्मी।

दर्शकों की डिमांड के आगे झुका नेपाल, भारतीय न्यूज चैनलों से प्रतिबंध हटाया

काठमांडू। नेपाल के केबल ऑपरेटरों ने ओली सरकार के इशारे पर भारत के न?यूज चैनलों पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है। रविवार शाम से नेपाल में भारतीय चैनलों का प्रसारण शुरू हो गया है। नेपाल अथारिटी ने केबल ऑपरेटरों के साथ बैठक के बाद यह प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। शर्मा ने बताया कि कुछ आपत्तिजनक कार्यक्रम दिखाने वाले चैनलों के प्रसारण पर अभी भी प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके पहले पीएम केपी शर्मा ओली और चीनी राजदूत को लेकर किए कवरेज से नाराज होकर देश में भारतीय चैनलों को प्रतिबंधित कर दिया गया था।शर्मा ने कहा कि %कुछ चैनल अभी आपत्तिजनक कार्यक्रम दिखा रहे हैं जो अभी भी नेपाल में प्रतिबंधित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख?या नेपाली दर्शकों ने भारतीय न?यूज चैनलों को सब?सक्राइब कर रखा है और उनके दबाव के आगे झुकते हुए नेपाल के केबल ऑपरेटरों को मजबूरन यह फैसला लेना पड़ा है।

नासा ऐस्टरॉइड पर भेजेगा स्पेस रोबॉट!

-छिपी है पूरी दुनिया से ज्यादा दौलत

वाशिंगटन। सुपर पॉवर अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा एक ऐस्टरॉइड पर एक स्पेस रोबॉट भेजने की योजना बना रही है। फीस्चे नाम का एयरक्राप्ट ऐस्टरॉइड 16 फीस्चे पर अगस्त 2022 में भेजे जाने का प्लान है। इसके लिए अब एक डिजाइन रिव्यू को भी पास कर दिया गया है। जिस ऐस्टरॉइड पर यह रोबॉट भेजा जा रहा है उसका मूल्य पूरी दुनिया की इकॉनमी से भी ज्यादा होने का दावा किया गया है। ऐस्टरॉइड 16 फीस्चे पर पहुंचने के बाद यह स्पेस रोबॉट वहां लोहे, निकल और सोने की खोज करेगा। ऐसा भी हो सकता है कि यह कोई ग्रह रहा हो जिसकी बाहरी परतें निकल चुकी हैं और अब सिर्फ कोर बची है। जानकारी के मुताबिक इस ऐस्टरॉइड में जितना धातु है वह पूरी दुनिया की इकॉनमी से कई गुना ज्यादा 10, 000 क्वॉड्रिलियन डॉलर (10,000,000,000,000,000,000 डॉलर)

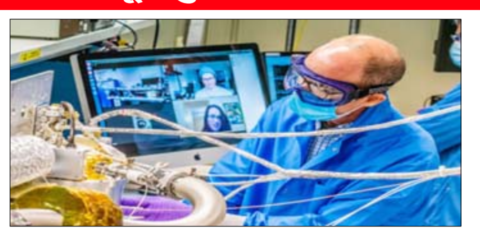

की कीमत का हो सकता है।इस एयरक्राफ्ट फीस्चे को एलॉन मुस्क की कंपनी एपेसएक्स के फाल्कन हैवी राकेट से लॉन्च किया जाएगा। यह 2023 में मंगल के पास से गुजरेगा और जनवरी 2026 में ऐस्टरॉइड का चक्कर काटना शुरू करेगा। वहां पहुंचने के बाद यह मैग्नेटिक फील्ड को नापेगा, तस्वीरें लेगा और न्यूट्रॉन्स–गामा रे का अनैलेसिस करेगा। प्रॉजेक्ट मैनेजर हेनरी स्टोन का कहना है ऐसे डीप स्पेस मिशन्स में हमें अपने हार्डवेयर को लेकर गर्व होता है। इंटिग्रेटेड सिस्टम इतना अच्छा है कि व्यापक टेस्ट की जा सकती है। अच्छी स्थिति और मजबूती के साथ जितना चाहे स्ट्रेस टेस्ट कर सकते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक धरती पर ऐस्टरॉइड मटीरिअल के बाजार में आने से बेशकीमती धातुओं की कीमत अचानक गिर जाएगी। इस तरह की वस्तुओं का खनन, बिक्री करने वाली सभी कंपनियों की वैल्यू गिरने लगेगी और पूरा बाजार बिगड़ जाएगा। यहां तक कि अगर इस ऐस्टरॉइड का एक टुकड़ा भी धरती पर लाया जाता है तो इसे संभालना मुश्किल होगा।% हालांकि नासा की ऐसी कोई योजना है भी नहीं। उनका कहना है कि हर प्रॉब्लम को ढूंढकर उसे सुलझाने की कोशिश होती है क्योंकि लॉन्च के बाद हार्डवेयर को ठीक नहीं किया जा सकता। इसकी कीमत से यह सवाल उठ सकता है कि इसे धरती पर लाना चाहिए लेकिन अगर ऐसा किया गया तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था तबाह हो सकती है।

डबलिन में जीत के बाद ट्राफी उठाये हुए गोल्फर कोलिन।

रुट की वापसी के लिए डेनली को बाहर करें : वान

साउथम्पटन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कप्तान जो रूट की टीम में वापसी होगी। वान ने कहा कि ऐसे में खराब फार्म में चल रहे जो डेनली को अंतिम ग्यारह से बाहर करना ठीक रहेगा। वान का बयान इसलिए अहम है क्योंकि गुरुवार से मैनचेस्टर में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में रुट की वापसी को देखते हुए डेनली या युवा बल्लेबाज क्रॉउली में से किसी एक को बाहर बैठना होगा। रूट अपने दूसरे बच्चे के जन्म के दौरान अपनी पत्नी के साथ रहने के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल पाये थे। वॉन ने कहा, 'इंग्लैंड को डेनली को लेकर फैसला करना है। वहीं क्रॉउली निश्चित तौर पर टीम में रहेगा।% उन्होंने कहा, 'जो डेनली अपने सभी 15 टेस्ट में उसी तरह खेला जिस तरह खेलता है। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले डेनली को पहले टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में अवसर दिया गया पर वह 18 और 29 रन की बना पाया। यह बल्लेबाज 8 पारियों में 40 रन भी नहीं बना पाया। पिछले साल पदार्पण करने वाले डेनली ने 15 टेस्ट में 29.53 की औसत से रन बनाए हैं और अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं।

लीवरपूल के कप्तान हेंडरसन प्रीमियर लीग सत्र से बाहर

लीवरपूल। लीवरपूल क्लब के कप्तान जॉर्डन हेंडरसन चोटिल के कारण प्रीमियर लीग फुटबॉल के पूरे सत्र से ही बाहर हो गये हैं। टीम के मैनेजर जरगेन क्लॉप ने यह जानकारी दी। मिडफील्डर हेंडरसन को प्रीमियर लीग में ब्राइटन के खिलाफ मैच के दूसरे ही हाफ में चोट लग गयी थी। लीवरपूल ने इस मैच को 3-1 से जीता था। मैनेजर क्लोप के अनुसार हेंडरसन को सर्जरी की जरूरत नहीं होगी। उन्होने कहा, '' वह इस सत्र में नहीं खेलेंगे, पर मैं इस बात को लेकर सकारात्मक हूं कि नये सत्र की शुरूआत में वह हमारे साथ होंगे। लिवरपूल को अपना अगला मुकाबला बर्नले के खिलाफ खेलना है। क्लोप ने कहा कि हेंडरसन का बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका है पर राहत की बात यह है कि घुटने की इस चोट में सर्जरी की जरुरत नहीं है। वह इस सत्र में और नहीं खेलेंगे पर मैं काफी सकारात्मक हूं कि वह हमारे साथ नए सत्र की शुरुआत करेंगे। हम सभी चिंतित थे जब हमने उन्हें बाहर जाते देखा और उन्होंने मैदान छोड़ दिया था।

कोरोरा महामारी के बाद शुरु हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बनी वेस्टइंडीज

साउथैम्पटन। वेस्टइंडीज ने कोरोना महामारी के बाद यहां हुए पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को हराकर पहली जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही वेस्टइंडीज ने टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। संक्रमण से बचने जैविक रुप से सुरक्षित माहौल में खेले गये इस मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज को अंतिम दिन जीत के लिए 200 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने 64.2 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाकर हासिल कर लिया। अब दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच 16 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा।वेस्टइंडीज की ओर से ब्लैकवुड ने 154 गेदों में सबसे ज्यादा 95 रन बनाए, इसमें वहीं रोस्टन चेज ने 88 गेंदों में 37 रन बटोरे। कप्तान जेसन होल्डर 14 और डॉवरिच ने 20 रन बनाए नाबाद रहे। वहीं इंग्लैंड की ओर से रहस्यमयी गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट लिए, जबकि कप्तान स्टोक्स ने 4 विकेट रहे पर ये दोनो अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। इस मैच में सबसे ज्यादा 9 विकेट लेने वाले वेस्टइंडीज के गेंदबाज शेन गैब्रियल को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 204 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 313 रन बनाये जबकि वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 318 रनों रनों पर आउट हुई थी इस प्रकार उसे जीत के लिए 200 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला था। 200 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। आर्चर ने सुबह के सत्र में क्रेग ब्रेथवेट को (चार) और समर ब्रूक्स को खाता खाले बिना ही पेवेलियन भेज जबकि मार्क वुड ने शाई होप को नौ रन पर आउट कर वेस्टइंडीज को झटके दिये। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल को आर्चर की एक यॉर्कर लगाने से रिटायर हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। होप वुड पर ड्राइव करने के प्रयास में नाकाम रहे। वेस्टइंडीज के लिए दूसरे सत्र का आकर्षण ब्लैकवुड का अर्धशतक रहा। उन्होंने अब तक आठ चौके लगाए हैं। उन्हें चेस का अच्छा साथ मिला। चेस को आर्चर के बाउंसर पर विकेटकीपर जोस बटलर ने कैच किया। इस बीच शेन डॉवरिच ने 20 रन बनाते हुए ब्लैकवुड के साथ 68 रनों की अहम साझेदारी की जिससे मैच एक बार फिर मेहमान टीम के पाले में आ गया। डॉविरच को बेन स्टोक्स ने बटलर के हाथों कैच आउट कराया, लेकिन तब तक मैच मेजबान टीम के हाथों से निकल गया था। कोरोना संक्रमण से बचने इस मैच में आईसीसी ने कई नियम लागू किये थे जिसमें गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक लगी थी इसके अलावा मैच में सामाजिक दूरी भी बनाये रखने कहा गया था।

अंतरराष्ट्रीय सत्र बहाल होने के बाद ओलिंपिक क्वॉलिफाइ कर सकती हूं हिमा

नई दिल्ली। फर्राटा धाविका हिमा दास को उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय सत्र बहाल होने के बाद वह टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने में सफल रहेंगी। कोरोना महामारी के कारण पिछले तीन माह से खेल नहीं हो पाने से हिमा अब तक ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाइ नहीं कर पायी हैं। हिमा को अभी स्थगित हुए टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करना है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय सत्र वैश्विक स्वास्थ्य संकट के कारण 30 नवंबर तक निलंबित है। 400 मीटर में मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन हिमा ने कहा, 'मैं ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन के बारे में परेशान नहीं हूं, इससे केवल तनाव ही पैदा होगा। ओलिंपिक के लिए अभी एक साल बचा है।' उन्होंने कहा, 'हमें इस महामारी के

जल्दी से खत्म होने की प्रार्थना करनी चाहिए। फिर एक दिसंबर से एथलेटिक्स सत्र शुरू होगा ऐसे में ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने के लिए अगले साल काफी समय बचा है।' हिमा ने दो साल पहले उन्होंने फिनलैंड में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। 20 साल की हिमा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। उनका 400 मीटर में राष्ट्रीय रिकार्ड (50.79 सेकंड) है। पिछले कुछ समय से पीठ के निचले हिस्से की चोट उन्हें काफी परेशानी कर रही है जिससे ऐसी अटकलें लगायी जा रही हैं कि वह भविष्य में 400 मीटर में नहीं दौड़ पाएंगी और उन्हें शायद 200 मीटर में ही भाग लेना होगा।

प्रो लीग में लगातार मैच खेलने का लाभ ओलंपिक में मिलेगा : मनप्रीत

नयी दिल्ली। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एफआईएच प्रो लीग के संशोधित कार्यक्रम से वह खुश हैं क्योंकि इससे उन्हें टोक्यो ओलंपिक के लिए लय हासिल करने में सहायता मिलेगी। एफआईएच प्रो लीग के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार लगातार मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपना प्रो लीग का यह संशोधित अभियान अप्रैल में अर्जेंटीना के खिलाफ शुरु हो रहे मुकाबले से करेगी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने गुरूवार को ही संशोधित कार्यक्रम घोषित किया। मनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि अर्जेंटीना और ब्रिटेन के खिलाफ हमारे मैचों में चार सप्ताह के अंतर के बाद हम मई के अंत तक प्रत्येक सप्ताहांत लगातार मैच खेलेंगे और ओलंपिक खेलों से पहले इसी तरह की लय चाहते हैं।

होल्डर ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत को सर्वश्रेष्ठ जीतों में से एक बताया

साउथैम्पटन। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने कोरोना महामारी के कारण तीन महीने से अधिक समय के बाद शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ मिली जीत को अब तक की अपनी सर्वश्रेष्ठ जीत बताया है। कोरोनावायरस के कारण मार्च के बाद से ही दुनिया भर में क्रिकेट मुकाबले रुके हुए थे। मैच के बाद उत्साहित कप्तान होल्डर ने कहा, % यह हमारी अभी तक की सर्वश्रेष्ठ जीतों में से एक है। इस मैच में गेंदबाजों को काफी अभ्यास करना पड़ा। यह टेस्ट क्रिकेट का सबसे मुश्किल दिन रहा। होल्डर ने कहा, %मैं नहीं समझता कि कोई भी टीम जानती थी कि कोरोना के माहौल में मैच कैसे होगा। घर पर बैठकर सबकुछ करना संभव नहीं था। हमें खेलने का अवसर मिला पर आप मानसिक तौर

पर आप कभी तैयार नहीं होते हो पर यह इच्छाशक्ति थी जिससे खेल हुआ और हम जीते। हम जानते थे कि क्या दाव पर है।% मैच को लेकर उन्होंने कहा, %अगर हमें कल विकेट मिल जाते तो इससे हमारा काम और भी आसान हो जाता पर हमने अंतिम दिन वापसी की।% होल्डर ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज ब्लैकवुड की भी जमकर तारीफ की, जिन्होंने शुरुआती विकेट जल्दी गिर जाने के बाद एक छोर संभाले रखा और 95 रनों की मैच विजेता पारी खेली।

कोरोना काल में दालों की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन के बावजूद स्थानीय खुदरा बाजार में फरवरी से जून, 2020 के दौरान रसोई की वस्तुओं के दाम में कोई खास घट-बढ़ नहीं दिखी, पर एक साल पहले की तुलना में दालों के भाव में तेजी आई है। लॉकडाउन के चलते डाटा एकत्रित करने की मुश्किलों के

कारण सरकार इस दौरान खुदरा मूल्य सूचकांक के पूरे आंकड़े जारी नहीं कर सकी है। जानकारी के अनुसार मई, जून में उड़द छिल्का, मसूर और अरहर जैसी दालों के दाम एक साल पहले के मुकाबले 30 प्रतिशत तक बढ़ गए। आटा और चावल के दाम में एक साल पहले से छह प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि इस साल फरवरी से जून के बीच एक आध दाल को छोड़कर खाने-पीने की अन्य जिंसों के खुदरा भाव में ज्यादा घटबढ़ नहीं दिखी। वहीं मई-जून 2019 के मुकाबले मई-जून 2020 में खुली उड़द छिल्का का दाम सबसे ज्यादा 31.25 प्रतिशत बढ़कर 100-105 रुपए किलो, दाल मल्का-मसूर 25 प्रतिशत बढ़कर 75 रुपए किलो हो गई। इस अवधि में चना दाल तीन प्रतिशत से अधिक घटकर 62 रुपए किलो के आसपास रह गई।

मजबूती के साथ खुले बाजार

- सेंसेक्स बाजार 37,000 और निफ्टी 10,860 के स्तर पर

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मजबूती के संकेत मिलने और रिलायंस इंडस्ट्रीज में ऊंची बढ़त हासिल होने से सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी की शुरुआत शानदार तेजी के साथ हुई है। सेंसेक्स में करीब 360 अंकों की तेजी देखने को मिल रही है। दिग्गज शेयरों के साथ ही मिडकैप शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.97 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। स्मॉलकैप शेयरों में अच्छी खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी आज तेजी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.88 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स करीब 330 अंक की मजबूती के साथ

36,925 के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी करीब 99 अंक की तेजी के साथ 10,870 के आसपास कारोबार कर रहा है।

हवाई यात्रियों के लिए सरकार ने बदला नियम

मुंबई। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने विमान से यात्रा करने के लिए यात्रियों द्वारा भरे जाने वाले सेल्फ-डिक्लेयरेशन फॉर्म को अपडेट किया है। मिनिस्ट्री ने सभी एयरलाइंस को जानकारी दी है कि जो यात्री बीते 21 दिन में कोरोना पॉजिटीव नहीं पाए गए हैं, उन्हें ही यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। 21 दिन की यह समय सीमा यात्रा की तारीख से पहले की होगी। एक रिपोर्ट में इस बारे में बताया है। 21 मई को एविएशन मिनिस्ट्री द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया था कि पिछले दो महीने में कोविड-19 पॉजिटिव नहीं पाए गए यात्रियों को ही यात्रा करने की अनुमति होगी। रिपोर्ट के मुताबिक मिनि ?स्ट्री ने यह फैसला इसलिए लिया है, क्योंकि उसका मानना है कि देश में बड़ी संख्या में लोग कोरोना वायरस संक्रमण से रिकवर हो चुके हैं। ऐसे में यात्रा करने वाले लोगों को होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए मिनिस्ट्री ने यह फैसला लिया है। सेल्फ-डिक्लेयरेशन फॉर्म में इस अपडेट के बारे में एयरलाइंस को कुछ दिन पहले ही जानकारी दी गई है।

शहर में सात दिन का संपूर्ण लॉकडाउन लगाया जाएगा

क्राईसेस मैनेजमेंट की बैठक में लिया गया निर्णय

ग्वालियर। कोविड -19 के बडते संक्रमण को देखते हुए ग्वालियर शहर में 7 दिन के लिए संपूर्ण लॉकडाउन (कर्फ्यू) लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान आवश्यक वस्तुएं जिनमें दूध, सब्जी एवं दवाओं की उपलब्धता के लिए कुछ समय के लिए छूट रहेगी। शेष समय संपूर्ण शहर पूर्णतः बंद रहेगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को क्राईसेस मैंनेजमेंट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में लिए गए निर्णय को राज्य शासन को भेजा गया है। शासन से स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात लॉकडाउन के आदेश पारित किए जाएंगे। कोविड-19 के बडते संक्रमण के कारण ग्वालियर में मरीजों की संख्या बडने के कारण शहर में लॉकडाउन की आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में क्राईसेस मैनेजमेंट की बैठक में विस्तार से चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल यादव, पुलिस अधीक्षक श्री नवनीत भसीन, नगरनिगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, एडीएम श्री किशोर कान्याल, एडीसनल एसपी श्री पंकज पाण्डे, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माकीजानी, जिला कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र शर्मा, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल, श्री मदन कुशवाह, भाजपा के ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव श्री प्रवीण अग्रवाल, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री देवेश शर्मा, समाज सेवी श्री भूपेन्द्र जैन के साथ ही विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। क्राईसेस मैनजमेंट की बैठक में सर्वसम्मित से निर्णय लिया गया कि कोरोना के बढते प्रभाव को

देखते हुए शहर में 7 दिन का संपूर्ण लॉकडाउन लागू किया जाए। लॉकडाउन लागू करने से पूर्व शहर वासियों को उसकी सूचना अवश्य दी जाए। लॉकडाउन के दौरान अनावश्यक रूप से लोग ना निकलें इसके लिए शक्ति से पालन भी सुनिश्चित किया जाए। आम नागरिकों के लिए आवश्यक वस्तुओं में दूध , सब्जी की उपलब्धता की व्यवस्था भी की जाए। इसके साथ ही चिन्हित मेडीकल स्टोर भी लोगों को दवा की उपलब्धता के लिए खुले रखे जाएं। बैठक में यह भी तय किया गया कि ऐसे उद्योग जिनमें श्रमिकों को वहीं पर रख कर कार्य कराया जा सकता है उन्हें अनुमति प्रदान की जाए। जिले की सीमा को सील किया जाए और आवश्यकता को देखते हुए शहर में आने व जाने वालों के लिए पास की व्यवस्था की जाए। बैठक में यह भी तय किया गया कि संक्रमण को देखते हुए लोगों में जागरूकता के लिए विशेष प्रयास किए जाए। क्राईसेस मैनेजमेंट की बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि कोरोना के संक्रमण को देखते हुए शहर में सात दिन का लॉकडाउन पूरी शक्ति के साथ लागू किया जाए। इसके साथ ही कोरोना की सेंपलिंग अधिक से अधिक की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लॉकडाउन लागू करने से दो दिन पहले लोगों को उसकी सूचना अवश्य दी जाए। जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्र के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय किए जाऐं। पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में भी लोग मास्क पहन कर ही घर से निकलें यह सुनिश्चित किया जाए। भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री कमल माकीजानी ने कहा कि लॉकडाउन को लोग अब बहुत ही हल्के में ले रहे हैं।

जिले में कोरोना ब्लास्ट. एक ही दिन में 179 पॉजिटिव निकले

अनलॉक पार्ट 2 में बाजारों में भीड़ बढ़ने के साथ ही जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ता जा रहा है! सोमवार को आई जांच रिपोर्ट में जिले में 179 पॉजिटिव के सामने आए हैं! आज कुल 2249 सैंपल की जांच की गई! जिसमें ग्वालियर में 179 शिवपुरी में 19 भिंड 10 मुरैना 98 दतिया में 6 और दो कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं! जिले में अब तक 1 196 कोरोना के के सामने आ चुके हैं कोरोना संक्रमित मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या को देखते हुए आप प्रशासन भी सख्त कदम उठाने जा रहा है! और एक बार फिर शहर में कंप्लीट लॉकडाउन हो सकता है! जिले के साथ-साथ अंचल के अन्य जिलों में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है! कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या के बाद भी लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बाजारों में बिना मास्क और सुरक्षित दूरी का उल्लंघन करते नजर आ रहे हैं!

आज शाम 7 बजे से ग्वालियर जिले में टोटल लॉकडाउन

ग्वालियर शहर में 14 जुलाई के सायंकाल 7 बजे से एक हफ्ते तक कर्फ्यू की तर्ज पर टोटल लॉकडाउन लागू रहेगा। जिले में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखकर जिला प्रशासन ने इस आशय का निर्णय लिया है। सोमवार के सांयकाल हुई डिस्ट्रिक क्राइसेस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक में एक हफ्ते का लॉकडाउन लागू करने पर सहमति बनी थी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि एक हफ्ते के लॉकडाउन के दौरान ग्वालियर शहर में किसी भी प्रकार के सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक समारोह आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। कहीं भी भीड़ पाए जाने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम एवं अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। लॉक डाउन के दौरान जिले की सभी सीमाएं पूरी तरह सील रहेंगी। सीमा पर बने नाकों पर कड़ी निगरानी रहेगी। जिले के भीतर किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी और न ही किसी को जिले से बाहर जाने दिया जाएगा। केवल आपातकालीन मेडिकल जरूरत होने पर ही जिले से बाहर और भीतर आने-जाने की अनुमति दी जाएगी।

हर हर महादेव से गूंजे शिवालय

ग्वालियर। सावन माह के दूसरे सोमवार को पाबंदी के बीच शिवालयों में तड़के से ही भोलेनाथ के भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचने लगे थे! सुरक्षित दूरी के बीच भक्तों ने भोले बाबा के दर्शन किए! लेकिन शिवलिंग का अभिषेक नहीं कर पाए और ना ही पुष्प और बेलपत्र अर्पित कर सके! कोरोना संक्रमण के कारण शहर के सभी प्रमुख शिवालयों में इस बार पहले की तरह शिव भक्तों की भीड़ नजर नहीं आ रही है! सोमवार को शिव भक्तों ने व्रत धारण कर घर में ही भगवान शिव की पूजा अर्चना कल बेलपत्र अर्पित की! वहीं बाजारों में भी पूजन सामग्री की बिक्री इस बार कम हो रही है! मंदिरों के बाहर भी पूजन सामग्री तथा पुष्प आदि की दुकानों पर भीड़ भाड़ नहीं है! लोग पूजन सामग्री खरीद तो रहे हैं लेकिन मंदिरों में प्रतिमा पर नहीं चढ़ा पा रहे हैं! श्रावण मास शिव भक्ति के लिए सबसे श्रेष्ठ महीना माना जाता है! इस बार शहर के अचलेश्वर गुप्तेश्वर कोटेश्वर आदि प्रमुख मंदिरों में भी कोरोना गाइडलाइन का पालन किया जा रहा है और सुरक्षित दूरी के बीच भक्त शिव जी के दर्शन करने जा पा रहे हैं!

12 सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों को प्रदाय किए पीपीओ

ग्वालियर। विभिन्न विभागों में कार्यरत 12 शासकीय सेवक 30 जून 2020 को सेवा निवृत्त हुए 12 अधिकारी एवं कर्मचारियों को पूर्ण सम्मान के साथ पीपीओ प्रदाय कर उनके सुखद भविष्य की कामना की। कलेक्टरक श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों में से 12 ऐसे शासकीय सेवक जो 30 जून 2020 को सेवा निवृत्त हुए उन्हें अपर कलेक्टर श्री टीएन सिंह ने आज कलेक्ट्रेट में शॉल श्रीफल एवं पुष्पहार से सम्मान कर पीपीओ प्रदाय कर उनके सेवा काल में किए गए कार्यों की सराहना की और उनके सुखद भविष्य की कामना की। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर श्री विनोद भार्गव,कोष एवं लेखा के

सहायक संचालक श्री रवि शंकर चतुर्वेदी, डाटाएन्ट्री ऑपरेटर श्री अतुल सोनी एवं सेवा निवृत्त हुए अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के संभागीय पेंशन अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा ने बताया कि सेवा निवृत्त होने पर पीपीओ प्राप्त करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों में जल संसाधन विभाग के श्री जुबेर अहमद सिद्दीकी, श्री कैलाश चंद्र बघेल, पुलस अधीक्षक रेडियोजोन ग्वालियर के श्री मोहम्मद अनवर खॉन, पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के अजय सिंह राणा, सलीम खॉन, अरविंद सिंह कुशवाह और श्री ब्रज मोहन, राजस्व मंडल के श्री राजेन्द्र देशमुख, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के श्री गिरीश चंद भदौरिया, कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं ग्वालियर के श्री गणेश स्वरूप मिश्रा, अधीक्षक जयारोग चिकित्सालय की श्रीमती रंजना भाले और उप पंजीयक सहकारी संस्थायें ग्वालियर के श्री रामरतन सिंह सोलंकी शामिल हैं।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह ने किया पदभार ग्रहण

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह ने सोमवार को मंत्रालय में पूजा-अर्चना कर पदभार ग्रहण किया। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। श्री सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के घर में भी

बिजली का बल्ब जलना चाहिये। ऊर्जा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को दी गयी राहत का पात्र उपभोक्ताओं को लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे, सचिव श्री आकाश त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोरोना संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज एवं सुविधाएं मुहैया कराने के लिए

ग्वालियर। कोरोना वायरस कोविड-19 से संक्रमित मरीजों को बेहतर उपचार एवं सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए हैं। जिले में संचालित सभी कोविड हॉस्पिटल एवं सेंटर के लिए अलग-अलग प्रभारी अधिकारी की तैनाती की गई है। प्रभारी अधिकारी अपने प्रभार के कोविड हॉस्पिटल में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जे.ए.एच. परिसर स्थित सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल की निगरानी की जवाबदेही उपायुक्त सहकारिता श्री सी.पी.एस. भदौरिया (मो. 8120529181) को सौंपी है। इसी तरह बिरला हॉस्पिटल के लिए जिला नापतौल अधिकारी श्री एस. के. उइके (मो. 9425089975), जिला चिकित्सालय मुरार स्थित रैन बसेरा के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. वी. एस. ठाकुर (मो. 9691876538), आईटीएम हॉस्पिटल के लिए सहायक संचालक उद्यानिकी श्री सुरेन्द्र सिंह तोमर (मो. 8319165023), एमपीसीटी हॉस्पिटल के लिए जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ (मो. 9305239704), ईएसआई हॉस्पिटल के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री अरविन्द बोहरे (मो. 9826239779), आयुर्वेदिक कॉलेज हॉस्पिटल के लिए जिला मत्स्य अधिकारी श्री वी.के. श्रीवास्तव (मो. 8871247655) एवं श्रमोदय हॉस्पिटल के प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री राजीव सिंह (मो. 9425136317) को दी गई है।

हजीरा ने शातिर बदमाश को दबोचा

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य) श्री पंकज पांडेय व नगर पुलिस अधीक्षक महाराज पुरा ग्वालियर श्री रवि भदौरिया के निर्देशन में पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर इंचार्ज थाना प्रभारी अभिलाष सिंह तोमर नेतृत्व में पुलिस थाना हजीरा की टीम ने भीम जादौन उर्फ चरण सिंह पुत्र स्वर्गीय रविंद्र सिंह जादौन उम्र 24 वर्ष निवासी चंदनपुरा को एन एस ए प्रकरण में आज सुबह फ्लेट नम्बर 101 अपार्टमेंट गोकुल बिहार सिटी सेंटर ग्वालियर से दबोचा ।भीम जादौन के विरुद्ध श्रीमान कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी महोदय ग्वालियर श्री कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय ग्वालियर श्री नवनीत भसीन के प्रतिवेदन पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3 (2)

के अंतर्गत 3 माह के लिये एन एस ए कार्रवाई की ।भीम जादौन ने अपने भाई मंगल जादौन और लाली उर्फ मनीषा चौहान के साथ दिनांक 5/7/20 को फरियादी श्रीमती सुनीता राजावत पत्नी सुरेश सिंह राजावत निवास उम्र 40 वर्ष निवासी चंदनपुरा हजीरा को पुराने केस में राजीनामा करने की धमकी देकर कट्टा से जान से मारने की नियत से फायर किए थे भीम जादौन की तलाश थान हजीरा के अपराध क्रमांक 197 / 20 धारा 307 ,294 ,506 ,34 आ पी सी में भी थी ।जादौन के कब्जे से एक कट्टा 315 बोर व दो जिंदा राउंड जब्त किए गए ।भीम जादौन पर थाना हजीरा में कुल 16 अपराध मारपीट ,अश्लील गालियां, देने जान से मारने की धमकी देने, अवैध शराब बेचने ,अवैध हथियार रखने, घर में घुसकर मारपीट करने, दहेज के ,अवैध चौथ वसूली करने व के हत्या के प्रयास के पंजीबद्ध हैं ।यह वर्ष 2012 से लगातार अपराध घटित कर रहा है इसे वर्ष 2019 में दिनांक 5/12 /19 को श्रीमान कलेक्टर महोदय ग्वालियर द्वारा 6 माह के लिए 7 जिला ग्वालियर, अशोकनगर, गुना ,शिवपुरी भिंड ,मुरैना व दतिया से तड़ीपार किया गया था । इसके भाई मंगल जादौन व साथी लाली उर्फ मनीषा चौहान की तलाश हत्या के प्रयास के प्रकारण में जारी है।भीम जादौन सेंटर में करुणा अपार्टमेंट फ्लेट नंबर 101 गोकुल बिहार सिटी सेंटर ग्वालियर को किराये से लेकर रह रहा था। पुलिस थाना हजीरा की टीम - पुलिस थाना हजीरा प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ,आरक्षक लेखराज गुर्जर आरक्षक कुलदीप तोमर ,आरक्षक राजीव शुक्ला ,, साइबर सेल के आरक्षक अभिषेक तिवारी वआरक्षक विश्व वीर जाट की मुख्य भूमिका रही।

प्रवासी श्रमिकों को रोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा

संभागायुक्त ओझा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में दिये निर्देश

ग्वालियर। कोविड -19 के कारण प्रदेश के बाहर से लौटे प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। ग्वालियर संभाग के जिलों में लौटे शतप्रतिशत प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। प्रवासी श्रमिकों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करने की व्यवस्था भी की जावेगी। संभागीय आयुक्त श्री एमबी ओझा ने यह निर्देश विभागीय अधिकारियों की बैठक में दिये हैं। अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक सोमवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय में आयोजित हुई बैठक में कोरोना संक्रमण के कारण अपने घरों को लौटे प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाहर से लौटे सभी प्रवासी श्रमिकों का रोजगार सेतु एप पर पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्र में निर्माण कार्यों में प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने ग्वालियर में विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आईटीआई, जिला पंचायत, नगरनिगम एवं रोजगार

कार्यालय के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार हेतु सहयोग करने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही निर्माण विभागों के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि वे अपने अपने विभाग के निर्माण कार्यों में प्रवासी श्रमिकों को मजदूरी के रूप में काम उपलब्ध करायें। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे ग्वालियर एवं ग्वालियर के आस-पास स्थापित उद्योगों में भी प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक प्रयास करें। रोजगार सेतु एप में दर्ज प्रवासी श्रमिकों को स्वयं के रोजगार के लिए भी अगर ऋण की आवश्यकता है तो विभागीय अधिकरी ऋण प्रकरण तैयार कर बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यवाही करें। संभागीय आयुक्त श्री एमबी ओझा ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में ऑकाफ माफी के मंदिरों की भी समीक्षा की । उन्होंने कहा है कि ग्वालियर संभाग में जितने भी ऑकाफ माफी के मंदिर है उनसे लगी हुई भूमि पर किसी का भी अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। मंदिर की जमीन पर अगर कहीं अतिक्रमण है तो कलेक्टर के माध्यम से तत्काल अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही ऑकाफ माफी के सभी मंदिरों में पूजारियों की व्यवस्था हो। किसी मंदिर में अगर पूजारी नियुक्त नहीं है तो जिला प्रशासन की ओर से पूजारी की नियुक्ति की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में संभागीय उपायुक्त राजस्व श्री आरपी भारती, संयुक्त आयुक्त विकास श्री रामकुमार शर्मा, संभागीय समन्वयक श्री विशाल सिंह तोमर , माफी अधिकारी श्रीमती मनीषा कोल सहित संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।